महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

खिचड़ी अगर बर्तन में पके, तो बीमारी ठीक कर देती है.. और दिमाग में पके, तो 'बीमार' कर देती है..

वर्ष : 17 अंक : 06 | उज्जैन, मंगलवार 16 जून 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

मजबूत होगा रुपया, तेल-गैस की सप्लाई सामान्य... अमेरिका-ईरान डील ने भारतीय अर्थव्यवस्था को होगा फायदा

नई दिल्ली/ जीएनएस। अमेरिका व ईरान के बीच युद्ध विराम डील से भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार एक बार फिर से तेज हो सकती है। पश्चिम एशिया संकट को ध्यान में रखते हुए आरबीआई ने पिछले सप्ताह चालू वित्त वर्ष 2026-27 की विकास दर के अनुमान को कम करते हुए इसे सात प्रतिशत से कम कर दिया था। अन्य एजेंसियां भी ऐसा ही करने लगी थी। क्योंकि भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक आयात करता है। 50 प्रतिशत से अधिक कच्चे तेल का आयात पश्चिम एशिया से किया जाता है। 70 प्रतिशत एलपीजी का तो 90 प्रतिशत एलएनजी का आयात पश्चिम एशिया से होता है जहां पिछले 28 फरवरी को ईरान पर हमले के बाद से पूरी तरह से उथल-पुथल है। इन सभी कारणों से घरेलू स्तर पर पेट्रोल व डीजल की कीमतों में 7.5 रुपए प्रति लीटर तक का इजाफा हो गया। ढुलाई की लागत बढ़ गई। इससे खाद्य वस्तुओं की कीमतें भी पिछले दो महीने से बढ़ने लगी। गत मई में खुदरा महंगाई दर बढ़त के साथ 3.93 प्रतिशत तो खाद्य वस्तुओं की खुदरा महंगाई दर 4.5 प्रतिशत के पास पहुंच गई। महंगाई बढ़ने से खपत निश्चित रूप से प्रभावित होती और इससे मांग कम होती और उत्पादन घटता। आयात पर निर्भर होने के नाते खाद की कीमतें बढ़ रही थी जिससे खाद सब्सिडी के दोगुना होने की आशंका गहराने लगी थी। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इंशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने बताया कि ईरान व अमेरिका के बीच होने वाले समझौते से भारतीय अर्थव्यवस्था को तत्काल राहत मिलेगी। खाड़ी क्षेत्र में अव्यवस्था फैलने से भारत का आयात बिल और घरेलू स्तर पर महंगाई बढ़ने का जोखिम बढ़ रहा था।

अगर वह वापस नहीं आई तो..., पहले वीडियो बनाकर दी धमकी फिर पति ने होम गार्ड पत्नी को 20 बार घोंपा चाकू

बेंगलुरु/ जीएनएस। बेंगलुरु के महादेवपुरा इलाके से रविवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां होम गार्ड के रूप में कार्यरत 32 वर्षीय महिला मंजुला की उसके पति प्रदीप ने बेरहमी से हत्या कर दी। पति ने सास और अपने दोनों बच्चों के सामने हत्या को अंजाम दिया। मंजुला महादेवपुरा पुलिस स्टेशन में होम गार्ड के तौर पर तैनात थी। 15 साल पहले प्रदीप के साथ उसकी शादी हुई थी. दंपत्ति के दो बच्चे भी हैं। परिजनों के अनुसार, प्रदीप ऑनलाइन सट्टेबाजी की लत का शिकार था, जिसकी वजह से घर में आये दिन झगड़े होते रहते थे। प्रदीप अक्सर मंजुला के चरित्र पर शक करता और बच्चों के पिता होने पर भी सवाल उठाता था। इस मानसिक उत्पीड़न को बर्दाश्त न कर पाने के चलते मंजुला पिछले डेढ़ महीने से बच्चों के साथ अपनी मां के घर रह रही थी। पुलिस के मुताबिक, प्रदीप रविवार को जैकेट में चाकू छिपाकर अपने ससुराल पहुंचा। वह मंजुला से माफी मांगने और घर वापस लौटने की गुहार लगाने लगा। आरोप है कि वह उसके पैरों पर गिर पड़ा, लेकिन अचानक हिंसक हो गया और मंजुला पर 20 से अधिक बार चाकू के वार कर दिया। पूरे परिवार के सामने हुई इस घटना ने सबको सदमे में डाल दिया। हत्या से पहले प्रदीप ने एक वीडियो मैसेज रिकॉर्ड किया था। इसमें उसने स्वीकार किया कि सट्टेबाजी की लत ने उसके पूरे परिवार को बर्बाद कर दिया है। वीडियो में उसने कहा, मैं अपनी पत्नी के बिना नहीं रह सकता। मैंने उसके पिता और जीजा से बात की है। अगर वह वापस नहीं आई तो मैं उसे मार डालूंगा। हमले के बाद प्रदीप ने उसी चाकू से अपना हाथ काटकर आत्महत्या की कोशिश की। स्थानीय लोगों और परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर प्रदीप को गिरफ्तार कर लिया। महादेवपुरा पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

सभी समाजों को, उनकी परम्पराओं को जोड़ें, आल्हा-ऊदल स्मृति उत्सव और श्रावण महोत्सव भी मनायें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संस्कृति विभाग की करें पुनर्संरचना, गतिविधियों का भी करें विस्तार

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आगामी छह-सात माह में बड़े त्यौहार, सांस्कृतिक पर्व एवं मेले मनायें जायेंगे। ये सभी त्यौहार हमारी धार्मिक आस्थाओं और प्रकृति के प्रति हमारी कृतज्ञता के प्रतीक हैं। इन सभी अवसरों पर संस्कृति विभाग सभी समाजों को, उनकी आस्थाओं और सांस्कृतिक परम्पराओं को जोड़कर वृहद आयोजन करें। आल्हा-ऊदल वीर रस गायन के प्रतीक हैं, उनकी स्मृति में आयोजन किए जाएं। श्रावण महोत्सव और भुजरिया पर्व भी मनाएं। नागपंचमी पर जैव विविधता संरक्षण (सर्प प्रजातियों के संरक्षण) का संदेश दिया जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संस्कृति विभाग लोगों को जोड़कर ऐसे आयोजन करें, जिनसे हमारी कला और संस्कृति के संवर्धन के साथ ही सरकार के संदेश का भी प्रसार हो।

मुख्यमंत्री सोमवार को मंत्रालय में संस्कृति विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की कला, संस्कृति, परम्पराएं और समृद्ध पुरातात्त्विक धरोहरें प्रदेश की अमूल्य पूंजी हैं, जिन्हें संरक्षित और संवर्धित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने के लिए योजनाबद्ध और प्रभावी प्रयास किए जाएं। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सांस्कृतिक अभ्युदय के लिए हमारी सरकार हर जरूरी प्रयास कर रही है। हम समाज को साथ लेकर इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। बैठक में संस्कृति, पर्यटन एवं धार्मिक न्यास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संस्कृति विभाग द्वारा वित्त वर्ष 2026-27 के लिए तैयार किये गये %कला पंचांग% का विमोचन भी किया। इसमें विभाग द्वारा वर्ष भर की जाने वाली कलात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का पूरा कैलेंडर तैयार किया गया है। अब इन्हें सिलसिलेवार क्रियान्वित किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भविष्य में प्रदेश में धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का दायरा और तेजी से बढ़ेगा। विभागीय आंतरिक विशेषताओं और विशेषज्ञताओं का समुचित संयोजन करते हुए संस्कृति विभाग की और बेहतर पुनर्संरचना की जाये। विभागीय गतिविधियों का आधुनिक संदर्भों में विस्तार भी किया जाये। उन्होंने कहा कि संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग सभी मिलकर काम करें, ताकि प्रदेश में धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिले। इससे प्रदेश में उत्कृष्ट कारीगरी से निर्मित होने वाले क्रॉफ्ट आइटम्स, हैंडलूम आइटम्स और कशीदाकारी को भी पहचान मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट वीर विक्रमादित्य के नाम से एक पृथक अकादमी का गठन किया जाये। इसमें विक्रमादित्य के जीवनवृत्त पर समग्र शोध एवं अन्य संगत गतिविधियां भी संचालित की जायें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य के बाहर के प्रसिद्ध मंदिरों और देव स्थानों के अतिरिक्त अब प्रदेश में मौजूद 2 ज्योतिर्लिंगों, जागृत एवं मंशापूर्ण शक्ति पीठों एवं अन्य धार्मिक स्थलों को भी मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना में शामिल किया जाये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विशेष रूप से श्रीराम वन गमन पथ और श्रीकृष्ण पाथेय परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को इनके निर्माण कार्यों में और अधिक गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उक्त दोनों परियोजनाएं धार्मिक आस्था के केंद्र होने के साथ ही प्रदेश के सांस्कृतिक और पर्यटन विकास की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इनका कार्य शीघ्र पूर्ण होने से प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सांस्कृतिक गतिविधियों में जनसहभागिता बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के गांवों, कस्बों और शहरों में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जाए, ताकि नई पीढ़ी अपनी समृद्ध कला और सांस्कृतिक विरासत से परिचित हो सकें।

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संस्कृति विभाग की विभिन्न योजनाओं, संरक्षण कार्यों तथा आगामी सांस्कृतिक आयोजनों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को और सशक्त बनाने के लिए समन्वित प्रयास किए जाने पर बल दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के नजदीक जगदीशपुर स्थित पुराने किले की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि इस किले के इतिहास को जीवंत करने और इसे राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए भविष्य में जल्द ही यहां स्टेट कैबिनेट मीटिंग की जायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में जन्मे या यहां से निकलकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले गायकों, कलाकारों और अन्य जनों की जानकारी एकत्रित कर इन्हें मध्यप्रदेश में प्रस्तुति देने के लिए राजी किया जाये। इससे मध्यप्रदेश की कला एवं सांस्कृतिक विविधताओं को देश-दुनिया में नई पहचान और एक्सपोजर मिलेगा और अपनी माटी से जुड़कर ऐसे कलाकारों को भी खुशी होगी।

एक लाख छात्र नीट-यूजी परीक्षा देने के लिए तैयार

नई दिल्ली/ जीएनएस। नीट-यूजी की 21 जून को फिर से होने वाली परीक्षा के नजदीक आते ही लगभग एक लाख छात्रों ने अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लिए हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने एक एक्स पोस्ट में यह जानकारी दी।

एनटीए ने कहा- लगभग 1,00,000 छात्रों ने पहले ही अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लिए हैं। हमारे सर्वरों पर लोड है मगर हमारी टीमें यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही हैं कि सभी उम्मीदवार अपने प्रवेश पत्र बिना किसी परेशानी के डाउनलोड कर सकें।% इससे पहले शुक्रवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था कि एनटीए ने पुनः परीक्षा में शामिल होने वाले नीट उम्मीदवारों को अतिरिक्त 15 मिनट देने का निर्णय लिया है। उन्होंने छात्रों को आश्वस्त किया कि 21 जून को होने वाली परीक्षा सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित की जाएगी।

सभी छात्र विश्वास बनाएं रखें और अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करें। साथ ही उन्होंने समाज से भी सहयोग की अपील की। इस बीच, कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन ने एनटीए महानिदेशक के साथ एक बैठक में मेडिकल के स्नातक कोर्सों में प्रवेश के लिए फिर से होने जा रही परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की।

पूर्व में पेपर लीक के चलते यह परीक्षा रद कर दी गई थी और उस मामले की जांच सीबीआइ कर रही है। इस मामले में कई गिरफ्तारियां भी हो चुकी हैं।

फ्लैट खरीदारों को मिलेगी राहत, सबवेंशन प्लान पर सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया जिसमें केंद्र को ऐसी स्कीम बनाने का निर्देश देने की मांग की गई है कि अगर सबवेंशन प्लान के तहत खरीदार को फ्लैट नहीं सौंपा जाता है, तो ऋणदाता और बिल्डर दोनों को दिए गए ऋण की रकम का बराबर नुकसान उठाना पड़े।

सबवेंशन प्लान के तहत बैंक स्वीकृत धनराशि को सीधे बिल्डर के अकाउंट में भेजते हैं और फिर बिल्डर को स्वीकृत ऋण पर तब तक ईएमआइ चुकानी होती है, जब तक फ्लैट खरीदार को सौंप नहीं दिया जाता।

जब बिल्डर त्रिपक्षीय समझौते के अनुसार बैंक को ईएमआइ चुकाने में चूक करने लगता है, तो बैंक फ्लैट खरीदार से ईएमआइ की मांग करने लगता है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को भेजा नोटिस- प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने केंद्र और अन्य को नोटिस जारी कर याचिका पर जवाब मांगा है।

याचिका में अटके हुए हाउसिंग प्रोजेक्ट्स के घर खरीदारों के लिए एक व्यवस्थित ऋण-राहत योजना बनाने का निर्देश देने की भी मांग की गई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रकम का भुगतान काम के चरणों के हिसाब से हो।

जेवर एयरपोर्ट पर शुरू हुई कमर्शियल उड़ानें, 170 किसान बने पहले यात्री

नई दिल्ली/ जीएनएस। उत्तर प्रदेश के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एआइए) पर सोमवार 15 जून 2026 को औपचारिक रूप से कमर्शियल उड़ानों की शुरुआत हो गई। इंडिगो एयरलाइंस की लखनऊ से आई फ्लाइट 6श्च 2278 के लैंडिंग के साथ एयरपोर्ट पर पैसेंजर ऑपरेशन शुरू हुए।

इसी विमान ने लगभग 170 किसानों (जिनमें 20 महिलाएं भी शामिल हैं) को लेकर लखनऊ के लिए उड़ान भरी और भारत के एविएशन मानचित्र पर जेवर को स्थापित कर दिया। यह दिल्ली-एनसीआर का तीसरा कमर्शियल एयरपोर्ट है, जिससे देश के कुल सक्रिय हवाई अड्डों की संख्या 165 के करीब पहुंच गई है।

केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार संयुक्त तौर पर एनआईए को दिल्ली एनसीआर में उड्डयन संबंधी औद्योगिक विकास के लिए एक केंद्र के तौर पर स्थापित करने की योजना पर काम कर रहे हैं।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने इस मौके पर कहा कि, दस साल पहले जो असंभव लगता था, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हकीकत बना दिया गया।

वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनने के लिए एयरपोर्ट नेटवर्क को भी एक विकसित देश की तरह ही विकसित करने के लिए अभी से काम करना होगा।

उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा- एनआईए सिर्फ एक ट्रांजिट हब के तौर पर स्थापित नहीं होगा बल्कि ऐरोट्रोपोलिस के तौर पर अपने साथ कई दूसर उद्योगों को बढ़ावा देना वाला भी साबित होगा।

पहले चरण में यह एयरपोर्ट सालाना 1.2 करोड़ पैसेंजर्स को हैंडल कर सकेगा, जबकि पूर्ण विकास के बाद क्षमता 7 करोड़ सालाना से ज्यादा हो जाएगी। जब यहां से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की शुरुआत होगी तो दिल्ली दुनिया के गिने-चुने शहरों मे शामिल हो जाएगी जहां एक से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट हैं।

देहरादून भाजपा नेता हत्याकांडः कोर्ट में हत्यारोपितों को देख भड़के हिंदू संगठन

देहरादून/ जीएनएस। भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला सोशल मीडिया सह संयोजक विनोद कश्यप के बहुचर्चित हत्याकांड में पुलिस ने एक और आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों की कुल संख्या अब पांच हो गई है।

वहीं, सोमवार को जब सहसपुर पुलिस पांचों आरोपितों को देहरादून न्यायालय में पेश करने पहुंची तो बड़ी संख्या में हिंदू संगठन कार्यकर्ताओं ने आरोपितों तक पहुंचने और उनके विरुद्ध आक्रोश जताने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई, जिससे न्यायालय परिसर के बाहर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। हालांकि, भारी पुलिस बल की मौजूदगी में स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और कार्यकर्ताओं को खदेड़ दिया गया।

मानसून सत्र से पहले मोदी कैबिनेट में फेरबदल संभव, तृणमूल के बागी सदस्यों वाले NCPI को भी मिल सकती है जगह

नई दिल्ली/ जीएनएस। जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र से पहले नरेंद्र मोदी कैबिनेट में बड़े बदलाव की संभावना प्रबल हो गई है और यह भी लगभग तय माना जा रहा है कि तृणमूल कांग्रेस से टूटकर एनसीपीआई में शामिल हुए 20 सदस्यों के दलों में से भी दो को कैबिनेट विस्तार में जगह मिलेगी।

वस्तुत- एनसीपीआई अब राजग में भाजपा के बाद दूसरे सबसे बड़े घटक दल के रूप में होगा और इस लिहाज से उसे मंत्रिमंडल में उचित स्थान मिल सकता है। एनसीपीआई में शामिल होते हुए तृणमूल के बागी सदस्यों ने लोकसभा अध्यक्ष को मान्यता देने के लिए आग्रह किया है। माना जा रहा है कि बहुत जल्द औपचारिक मान्यता मिल जाएगी। उसके बाद एनसीपीआई की ओर से औपचारिक रूप से राजग में शामिल होने का भी प्रस्ताव आएगा। केंद्र में मोदी सरकार सरकार-3 को दो साल पूरे हो चुके हैं। अगले साल उत्तर प्रदेश समेत कई अहम राज्यों में चुनाव हैं और भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम कभी भी घोषित हो सकती है। ऐसे में सूत्रों का मानना है कि प्रधानमंत्री बहुत जल्द कैबिनेट में बड़ा बदलाव करेंगे और उसी कैबिनेट के साथ 2029 के चुनाव तक चलेंगे।

दरअसल प्रधानमंत्री मोदी बार-बार बदलाव नहीं करते हैं। पिछली सरकार में भी लगभग मध्यावधि में ही फेरबदल में 12 मंत्रियों को हटाया था, आधा दर्जन के आसपास मंत्रियों को पदोन्नत किया था और लगभग ढ़ाई दर्जन नए चेहरे शामिल किए थे। इस बार का संभावित फेरबदल भी बड़ा होगा।

केंद्रीय कैबिनेट में हो सकते हैं कुल 81 मंत्री- गौरतलब है कि केंद्रीय कैबिनेट में कुल 81 मंत्री हो सकते हैं। फिलहाल प्रधानमंत्री को शामिल करते हुए 72 मंत्री हैं। ऐसे में नौ की तो वैकेंसी है। तीन चार राज्यमंत्रियों को प्रदेशों में पहले ही लगाया जा चुका है और उन्हें फेरबदल में हटाया जाएगा। कुछ मंत्रियों के प्रदर्शन को लेकर पीएमओ बहुत संतुष्ट नहीं है। जबकि उत्तर प्रदेश के चुनाव के लिहाज से कुछ बदलाव हो सकते हैं।

विशेष नजर नई घटक दल एनसीपीआई पर होगी क्योंकि अब यह राजग में दूसरा सबसे बड़ा घटक दल होगा। पश्चिम बंगाल की भावी राजनीति के लिहाज से भी इस दल के साथ ज्यादा तालमेल होगा।

मुनंबम जमीन विवादः केंद्र ने केरल वक्फ बोर्ड को भेजा नोटिस, भाजपा विधायक की शिकायत पर कार्रवाई

तिरुअनंतपुरम/ जीएनएस। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने केरल वक्फ बोर्ड को एक नोटिस जारी कर मुनंबम भूमि विवाद मामले में स्पष्टीकरण मांगा है। यह कार्रवाई भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक राजीव चंद्रशेखर के कड़े हस्तक्षेप और शिकायत के बाद की गई है।

चंद्रशेखर ने केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजीजू को एक विस्तृत शिकायत सौंपी थी, जिसमें केरल वक्फ बोर्ड द्वारा मुनंबम की लगभग 404 एकड़ विवादित जमीन को एकतरफा तरीके से उम्मीद पोर्टल पर पंजीकृत करने का आरोप लगाया गया था। राजीव चंद्रशेखर का तर्क है कि एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास (उम्मीद) ढांचे के नियमों के तहत केवल संबंधित मुतवल्ली (जमीन का रखवाला या ट्रस्टी) को ही पोर्टल पर भूमि का विवरण अपलोड करने का अधिकार है। मुनंबम के मामले में यह अधिकार फारूक कालेज के पास है। इसलिए वक्फ बोर्ड द्वारा सीधे संपत्तियों का पंजीकरण करना पूरी तरह अवैध और उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

चंद्रशेखर ने कहा कि जब मालिकाना हक का मामला पहले से ही विभिन्न कानूनी मंचों पर लंबित है, ऐसे में विवादित भूमि को पोर्टल पर डालना गंभीर कानूनी और प्रशासनिक चिंताएं पैदा करता है।

स्थानीय निवासियों के अधिकारों की रक्षा का संकल्प- भाजपा नेताओं के अनुसार, केंद्र सरकार का यह कदम मुनंबम के निवासियों और विभिन्न संगठनों द्वारा उठाई गई चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है। एर्नाकुलम जिले की इस 404 एकड़ भूमि पर लंबे समय से विवाद चल रहा है, जिससे स्थानीय निवासी (जिनमें अधिकांश ईसाई हैं) प्रभावित हैं। निवासियों का दावा है कि यह मूल रूप से वक्फ संपत्ति नहीं थी। दूसरी ओर, केरल राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के. एस. हम्जा ने स्पष्ट किया है कि पोर्टल पर विवरण अपलोड करना केवल एक तकनीकी और अनिवार्य कानूनी प्रक्रिया थी, इससे अंतिम मालिकाना हक तय नहीं होता है।

विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में गूंजा मोदी सरकार के 12 वर्षों का गौरवगान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को जाल सभागृह में विकसित भारत संकल्प सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी यादव, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद शंकर लालवानी, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, नगर प्रभारी राजेश सोलंकी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी यादव ने कहा कि इंदौर स्वच्छता की नगरी है और देश के दिल में इसकी विशेष पहचान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 32 देशों द्वारा सर्वोच्च सम्मान से नवाजा जाना पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में पारदर्शिता, गरीब कल्याण और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से करोड़ों लोगों का जीवन बदला है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि 2014 के बाद भारत की वैश्विक छवि पूरी तरह बदली है और आज देश विश्व मंच पर एक मजबूत राष्ट्र के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि भारत की सेना से लेकर कूटनीति तक हर क्षेत्र में देश ने नई ऊंचाइयां हासिल की हैं।

सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में इंदौर का विकास भी तेज गति से आगे बढ़ा है और बेहतर कनेक्टिविटी के कारण शहर में आर्थिक गतिविधियों का विस्तार हुआ है, जिससे निवेश और रोजगार के नए अवसर बने हैं।

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान भारत ने न केवल अपने नागरिकों को सुरक्षित रखा, बल्कि 100 से अधिक देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराकर वैश्विक मानवता की सेवा की। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व का परिणाम है।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में धारा 370 हटाने, तीन तलाक कानून समाप्त करने तथा अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण जैसे ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं, जिनसे देश की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय अस्मिता को मजबूती मिली है। सम्मेलन में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रबुद्धजन, महिला उद्यमी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मनीष बिशानी ने किया तथा आभार विशाल गिदवानी ने माना।

आज से शुरू होंगे जनकल्याण शिविर, 22 जोन कार्यालयों पर मिलेगी शासकीय योजनाओं की सुविधा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र नागरिकों तक पहुंचाने और आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से नगर निगम इंदौर द्वारा 16 से 18 जून तक तीन दिवसीय जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। निगम सीमा क्षेत्र के सभी 22 जोन कार्यालयों पर आयोजित होने वाले इन शिविरों में विभिन्न शासकीय योजनाओं और सेवाओं की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएगी।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त क्षितिज सिंघल ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार विश्व पर्यावरण दिवस और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के बीच जिले के प्रत्येक विकासखंड एवं नगरीय निकाय स्तर पर जनकल्याण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर निगम इंदौर द्वारा भी व्यापक स्तर पर शिविरों की तैयारी की गई है।

उन्होंने बताया कि शिविरों का मुख्य उद्देश्य ऐसे पात्र हितग्राहियों की पहचान करना है, जो अब तक विभिन्न योजनाओं के लाभ से वंचित रहे हैं। शिविरों में उनका पंजीयन, आवेदन स्वीकृति और योजनाओं का लाभ प्रदान करने की प्रक्रिया प्राथमिकता से पूरी की जाएगी। साथ ही नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं के समाधान के लिए भी विशेष व्यवस्था रहेगी।

अपर आयुक्त नरेंद्र नाथ पांडे ने बताया कि 16 जून को जोन क्रमांक 1 से 8, 17 जून को जोन क्रमांक 9 से 15 तथा 18 जून को जोन क्रमांक 16 से 22 तक के जोन कार्यालयों में शिविर लगाए जाएंगे। प्रत्येक शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल स्थापित किए जाएंगे, जहां नागरिकों को योजनाओं की जानकारी, आवेदन, पंजीयन, दस्तावेज सत्यापन और सेवा वितरण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

नगर निगम प्रशासन के अनुसार इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और उन्हें एक ही स्थान पर विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ प्राप्त होगा। जिला प्रशासन और संबंधित विभागों को भी शिविरों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त क्षितिज सिंघल ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र में आयोजित जनकल्याण शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शासन की जनहितकारी योजनाओं का लाभ उठाएं तथा अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इन शिविरों का उपयोग करें।

इंदौर पुलिस को मिली अत्याधुनिक मोबाइल फॉरेंसिक वैन, अपराध अनुसंधान होगा और सशक्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अपराधों की वैज्ञानिक एवं प्रभावी जांच को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में इंदौर पुलिस कमिश्नरेट को बड़ी सौगात मिली है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा नगरीय इंदौर के चारों पुलिस जोन के लिए चार अत्याधुनिक मोबाइल फॉरेंसिक वैन उपलब्ध कराई गई हैं। सोमवार को पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने इन वैन का निरीक्षण कर इनके प्रभावी उपयोग के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त ने मोबाइल फॉरेंसिक वैन में उपलब्ध आधुनिक उपकरणों और तकनीकी संसाधनों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्यों के संकलन, संरक्षण और विश्लेषण की प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन वैन की सहायता से घटनास्थल पर ही महत्वपूर्ण साक्ष्यों का वैज्ञानिक परीक्षण और विश्लेषण किया जा सकेगा, जिससे अपराधों की जांच अधिक सटीक और परिणाममुखी होगी। नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी, गांधीनगर द्वारा डिजाइन की गई इन अत्याधुनिक मोबाइल फॉरेंसिक वैन में स्टीरियो माइक्रोस्कोप, वेइंग स्केल, डीएसएलआर कैमरा, मिनी रेफ्रिजरेटर, एलईडी टीवी स्क्रीन, थर्मल प्रिंटर तथा बॉडी-वियर कैमरे जैसे आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। इसके अलावा इनमें अपराध स्थल सुरक्षा किट, रक्त एवं बाल पहचान किट, उच्च तीव्रता वाले फॉरेंसिक प्रकाश स्रोत, फुटप्रिंट और टायर मार्क कास्टिंग किट, आगजनी जांच किट, साक्ष्य पैकिंग किट, गनशॉट रेसिड्यू किट, मादक पदार्थ जांच किट, विस्फोटक डिटेक्शन किट तथा डीएनए सैंपल संग्रह किट जैसी विशेष जांच सामग्री भी उपलब्ध कराई गई है।

मेरठ के अंतरराज्यीय लुटेरा गिरोह का भंडाफोड़, वारदात से पहले पांच आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मेरठ के एक अंतरराज्यीय लुटेरा गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने पांच आरोपियों को उस समय गिरफ्तार किया, जब वे एक व्यापारी को लूटने की योजना बना रहे थे। आरोपियों के कब्जे से विभिन्न राज्यों से लूटे गए 33 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, वारदात में प्रयुक्त कार सहित करीब 50 लाख रुपये मूल्य का माल बरामद किया गया है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने और लूट की घटनाओं में शामिल अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह सफलता मिली। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी और पुलिस उपायुक्त सुनील मेहता के मार्गदर्शन में भंवरकुआ थाना पुलिस की टीम लगातार निगरानी कर रही थी।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि हिम्मतनगर पालदा स्थित एक खाली मैदान में खड़ी कार में पांच संदिग्ध व्यक्ति बैठे हैं और हवाला कारोबारी को लूटने की योजना बना रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपियों की गतिविधियों पर नजर रखी। पुलिस ने पाया कि आरोपी व्यापारी की गाड़ी को दुर्घटना का बहाना बनाकर रुकवाने, चालक की आंखों में मिर्च पाउडर फेंकने और नकदी से भरा बैग लूटकर फरार होने की योजना बना रहे थे।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ने का प्रयास किया तो वे भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर सभी को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे मेरठ से विशेष रूप से लूटपाट करने के उद्देश्य से निकले थे। उन्होंने करीब एक सप्ताह पूर्व इंदौर के तीन इमली क्षेत्र में एक कार चालक को दुर्घटना का बहाना बनाकर लूटने तथा राजेंद्र नगर क्षेत्र में मोबाइल छीनने की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपियों ने महाराष्ट्र के नासिक और धुले सहित गुजरात के वडोदरा, वापी, सूरत, दाहोद और अन्य क्षेत्रों में भी मोबाइल लूट की घटनाएं करना कबूल किया है। पुलिस के अनुसार लूटे गए मोबाइल आरोपियों ने कार की सीटों के नीचे छिपाकर रखे थे, जिन्हें मेरठ ले जाकर बेचने की योजना थी।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कुलदीप पाल (33), नाजिम कुरैशी (25), महफूज (40), शोएब कुरैशी (27) और मोहम्मद शकील (33) निवासी मेरठ, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने इंदौर में किया पौधारोपण, स्वच्छता और गौसेवा कार्यक्रमों में हुईं शामिल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के तहत केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी यादव सोमवार को इंदौर पहुंचीं। उन्होंने पंचकुइयां श्रीराम मंदिर में पूजा-अर्चना, स्वच्छता अभियान, पौधारोपण और गौसेवा कार्यक्रमों में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण तथा स्वच्छता का संदेश दिया।

केंद्रीय मंत्री ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, सांसद शंकर लालवानी, राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार, नगर प्रभारी राजेश सोलंकी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता तथा अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ पंचकुइयां श्रीराम मंदिर में भगवान शिव का पंचामृत अभिषेक एवं पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने आश्रम के पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 रामगोपालदास महाराज का आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत बरगद, नीम और पीपल के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने मंदिर परिसर स्थित गौशाला में गौसेवा एवं पूजा-अर्चना भी की।

विशेष जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत श्रीमती यादव भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व राज्यसभा सांसद नारायण केसरी के निवास पर पहुंचीं और उनका सम्मान कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर नारायण केसरी ने जनसंघ और भाजपा के शुरुआती दौर से जुड़े कई प्रेरक प्रसंग साझा किए।

'सेल्फी विद विकास तीर्थ' कार्यक्रम के तहत केंद्रीय मंत्री लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन पहुंचीं, जहां उन्होंने अमृत भारत योजना के अंतर्गत हो रहे आधुनिकीकरण एवं विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इसके बाद कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के साथ विकास कार्यों की पृष्ठभूमि में सेल्फी लेकर अभियान में सहभागिता की।

स्कीम नंबर-114 स्थित पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने पूर्वोत्तर समाज के प्रतिनिधियों एवं नागरिकों से संवाद किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों, महिला सशक्तिकरण, गरीब कल्याण योजनाओं और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में हुई प्रगति पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रमों में भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, पार्षदों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और सुरक्षा पर इंदौर पुलिस का विशेष सेमिनार, साइबर अपराधों के प्रति किया जागरूक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व वरिष्ठ नागरिक दुर्व्यवहार रोकथाम जागरूकता दिवस के अवसर पर इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर एक विशेष जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना तथा उनके साथ होने वाले शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक और आर्थिक दुर्व्यवहार की रोकथाम के प्रति जागरूकता फैलाना था।

कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) सीमा अलावा, वरिष्ठ परामर्शदाता माया भोरा, स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. सुयश ठाकुर, आयुष्मान भारत योजना के जिला समन्वयक राहुल चौकसे, अरुणा हेल्पलाइन से जुड़े के.के. बिरला सहित नगर रक्षा समिति के 60 वर्ष से अधिक आयु के सदस्य और बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने वरिष्ठ नागरिकों का स्वागत करते हुए कहा कि वरिष्ठजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनकी सुरक्षा, सम्मान तथा सहायता सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने वरिष्ठजनों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, साइबर अपराधों से बचाव करने तथा सेवानिवृत्ति के बाद जीवन को सक्रिय, सकारात्मक और आनंदमय ढंग से जीने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से अपने अनुभवों का लाभ युवा पीढ़ी को देने और किसी भी प्रकार की परेशानी या उत्पीड़न की स्थिति में पुलिस से संपर्क करने का आग्रह किया।

सेमिनार में विशेषज्ञों ने विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी साझा की। राहुल चौकसे ने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना और आयुष्मान भारत योजना की जानकारी दी, जबकि डॉ. सुयश ठाकुर ने बढ़ती उम्र में स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ परामर्शदाता माया भोरा ने सामाजिक, मानसिक और भावनात्मक चुनौतियों पर चर्चा करते हुए उनके समाधान के उपाय बताए।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बंद बोरवेल बनेंगे रिचार्ज शाफ्ट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में जल संरक्षण और भूजल संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए नगर निगम द्वारा ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' के अंतर्गत अनुपयोगी एवं बंद पड़े बोरवेलों को रिचार्ज शाफ्ट में परिवर्तित करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशन में चल रहे इस अभियान का उद्देश्य वर्षा जल का अधिकतम संचयन कर भूजल स्तर में वृद्धि करना है।

सोमवार को निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने कृष्णपुरा छत्री, हरिभाऊ छत्री, राज मोहल्ला उद्यान, डीआरपी लाइन और देवास नाका लोहा मंडी क्षेत्र का निरीक्षण कर रिचार्ज शाफ्ट निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण की तकनीकी प्रक्रिया, वर्षा जल संचयन व्यवस्था तथा भूजल पुनर्भरण संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आयुक्त ने कहा कि शहर में बड़ी संख्या में ऐसे बोरवेल मौजूद हैं जो अब उपयोग में नहीं हैं। इन्हें रिचार्ज शाफ्ट के रूप में विकसित कर वर्षा जल को सीधे भूगर्भ तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और भूजल स्तर सुधारने में मदद मिलेगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के अन्य क्षेत्रों में स्थित अनुपयोगी बोरवेलों का सर्वे कर उन्हें भी चरणबद्ध तरीके से रिचार्ज शाफ्ट में परिवर्तित किया जाए। नगर निगम का मानना है कि यह पहल भविष्य में जल संकट से निपटने और वर्षा जल के प्रभावी उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

सड़क चौड़ीकरण के लिए निगम की कार्रवाई, गुटकेश्वर मंदिर से सदर बाजार रोड तक हटाए जा रहे बाधक निर्माण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और सड़क चौड़ीकरण कार्य को गति देने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा गुटकेश्वर मंदिर से सदर बाजार रोड तक रिमूवल कार्रवाई की जा रही है। आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार सड़क निर्माण और चौड़ीकरण में बाधक निर्माणों को हटाने का अभियान सोमवार को भी जारी रहा। नगर निगम के रिमूवल विभाग की टीम ने निर्धारित क्षेत्र में पहुंचकर सड़क चौड़ीकरण कार्य में अवरोध उत्पन्न कर रहे निर्माणों को हटाने की कार्रवाई की। निगम अधिकारियों के अनुसार सड़क चौड़ीकरण पूर्ण होने के बाद इस मार्ग पर यातायात सुगम होगा और नागरिकों को आवागमन में बेहतर सुविधा मिलेगी। कार्रवाई के दौरान अपर आयुक्त प्रखर सिंह एवं अभय राजनगांवकर ने मौके पर उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं रिमूवल अधिकारी अंकेश बिरथरे, भवन अधिकारी पल्लवी पाल, रिमूवल सहायक बबलू कल्याणे सहित नगर निगम का अमला कार्रवाई में जुटा रहा। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि सड़क विकास और यातायात सुधार से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार के बाधक निर्माणों को नियमानुसार हटाने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि विकास परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए इंदौर पुलिस का 'ऑपरेशन सीक्रेट मिडनाइट', मनचलों पर रहेगी पैनी नजर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा छेड़छाड़ जैसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस ने 'ऑपरेशन सीक्रेट मिडनाइट' अभियान शुरू किया है। इस विशेष अभियान के तहत महिला पुलिसकर्मी सादे कपड़ों में संवेदनशील क्षेत्रों में सामान्य युवतियों की तरह भ्रमण कर रही हैं, जबकि आसपास तैनात पुलिस टीम संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखती है और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई करती है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त जोन-2 अमन सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेंद्र सिंह तथा सहायक पुलिस आयुक्त खजराना कुंदन मंडलोई के निर्देशन में यह अभियान संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करना और असामाजिक तत्वों में कानून का भय उत्पन्न करना है।

अभियान के तहत महिला पुलिसकर्मी उन स्थानों पर सादे वेश में पहुंचती हैं, जहां महिलाओं और युवतियों के साथ छेड़छाड़ या अभद्र व्यवहार की आशंका रहती है। यदि कोई मनचला या असामाजिक तत्व अभद्रता करने का प्रयास करता है तो आसपास मौजूद पुलिस की विशेष कार्डन टीम तत्काल उसे हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई करती है।

इसी क्रम में 14 जून की रात थाना तिलक नगर क्षेत्र के सांची पॉइंट, स्कीम नंबर-140, आरई-2 रोड, आनंदवन चौपाटी तथा अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में अभियान चलाया गया। महिला पुलिस अधिकारी और आरक्षक सामान्य युवतियों के रूप में इन क्षेत्रों में घूमती रहीं, जबकि थाना तिलक नगर की टीम उनकी सुरक्षा और निगरानी के लिए तैनात रही। अभियान के दौरान किसी भी शरारती तत्व द्वारा अभद्रता की घटना सामने नहीं आई।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और अंधेरे तथा सुनसान क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि महिलाओं के प्रति किसी भी प्रकार की अभद्रता, छेड़छाड़ या उत्पात करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अभियान में उप निरीक्षक गुड्डी भिलाला, महिला आरक्षक प्रवीण सहित थाना तिलक नगर की पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों को मिला, अंग्रेजी भाषा का प्रश्न पत्र

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नई शिक्षा नीति के तहत उच्च शिक्षा में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के प्रयासों के बीच देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की एमजे (पत्रकारिता) परीक्षा में एक बार फिर लापरवाही का मामला सामने आया है। सोमवार को आयोजित 'मीडिया शोध' विषय की परीक्षा में विद्यार्थियों को केवल अंग्रेजी भाषा में प्रश्नपत्र वितरित किए जाने पर हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों ने नाराजगी जताई। परीक्षा केंद्रों पर जब विद्यार्थियों को प्रश्नपत्र मिला तो हिंदी माध्यम के छात्र-छात्राएं इसे देखकर आक्रोशित हो गए। उनका कहना था कि पत्रकारिता पाठ्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी हिंदी माध्यम से अध्ययन कर रहे हैं, ऐसे में प्रश्नपत्र केवल अंग्रेजी में दिए जाने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा।

विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन की यह चूक नई शिक्षा नीति की भावना के विपरीत है, जिसमें भारतीय भाषाओं में शिक्षा और परीक्षा को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया है। उनका कहना है कि जब सरकार मेडिकल सहित अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में भी हिंदी माध्यम को बढ़ावा दे रही है, तब विश्वविद्यालय स्तर पर ऐसी लापरवाही उचित नहीं है।

गौरतलब है कि इससे पूर्व भी इसी विषय की परीक्षा को लेकर विश्वविद्यालय की एक बड़ी त्रुटि सामने आई थी।

इंदौर में NEET (UG) 2026 पुनः परीक्षा 21 जून को, जिले में परीक्षा के सुव्यवस्थित और सफल संचालन के लिए व्यापक इंतजाम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में रविवार 21 जून को हृश्वश्वज्ञ (त) 2026 पुनः परीक्षा आयोजित की जायेगी। परीक्षा के सफल एवं सुचारू आयोजन को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। हृश्वश्वज्ञ परीक्षा के लिए इंदौर जिले में कुल 57 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 23,089 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम सवा 5 बजे तक आयोजित होगी।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में परीक्षा के सफल एवं सुचारू और सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर व्यापक इंतजाम किये जा रहे हैं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने निर्देश दिए है कि ऐसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए जिससे विद्यार्थियों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। कलेक्टर श्री वर्मा ने यह भी कहा है कि परीक्षा की गोपनीयता एवं सुचिता का पूरा ध्यान रखा जाए। गड़बड़ी करने वाले या अपवाह फैलाने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचने के लिये एआईसीटीएसएल की बसें उपलब्ध कराई जायेंगी। सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात रहेगा। यातायात की सुगमता के लिये भी विशेष व्यवस्था की गई है। सभी परीक्षा केन्द्रों पर मेडिकल स्टॉफ एवं पांच केन्द्रों पर एक एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है।

सिंगोली में कांग्रेस का मौन प्रहार: काली पट्टी बांध निकाला जुलूस, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

मिनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने पर विरोध, लोकतंत्र की हत्या का लगाया आरोप

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी एवं पूर्व सांसद सुश्री मिनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में सिंगोली कांग्रेस ने सोमवार को अनूठा प्रदर्शन किया।

ब्लॉक कांग्रेस, युथ कांग्रेस एवं नगर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने हाथों पर काली पट्टी बांधकर गांधी भवन नया बस स्टैंड से तहसील कार्यालय तक पैदल मौन जुलूस निकाला। लोकतंत्र की हत्या के प्रतीक के रूप में काली पट्टी बांधे कार्यकर्ता बिना नारे लगाए शांतिपूर्ण तरीके से तहसील पहुंचे।

तहसील कार्यालय पहुंचकर कांग्रेस नेताओं ने तहसीलदार महोदय को राष्ट्रपति श्रीमति द्रोपदी मुर्मु के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में प्रमुख आरोप- ज्ञापन में कहा गया कि केंद्र सरकार द्वारा चुनाव आयोग पर दबाव बनाकर विपक्षी प्रत्याशियों को चुनाव से बाहर रखा जा रहा है। मिनाक्षी नटराजन का नामांकन ÷अत्यंत दुर्भावनापूर्ण और राजनीति से प्रेरित÷ होकर निरस्त किया गया, जो ÷लोकतांत्रिक परम्पराओं की हत्या÷ है।

कांग्रेस की 3 प्रमुख मांगें÷

1. विपक्षी प्रत्याशियों को सत्ता के दबाव में चुनाव से बाहर करने की प्रक्रिया पर रोक लगे।

2. मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच हो।

3. नामांकन निरस्त करने वाले रिटर्निंग ऑफिसर को तुरंत निलंबित कर कानूनी कार्रवाई हो।

ज्ञापन सौंपने से पूर्व गांधी भवन पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्र हुए। मौन जुलूस के दौरान कार्यकर्ताओं के हाथों में कांग्रेस का झंडा था। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह लड़ाई लोकतंत्र को बचाने की है।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश सचिव सत्यनारायण पाटीदार, सिंगोली ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सत्यनारायण धाकड़ ,रतनगढ़ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शंभू लाल चारण ,पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष सौभागमाल नागौरी, जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष मनीष जैन, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजेश भंडारी ,जिला कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया प्रभारी राजकुमार छिपा ,मंडल अध्यक्ष रितेश सेठिया ,जिला युवा कांग्रेस सचिव राहुल जैन,पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष बनवारी जोशी ,पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष राजेश नागोरी, पूर्व पार्षद जमील मेव,अल्पसंख्यक ब्लॉक अध्यक्ष इमरान खान, युवा कांग्रेस जावद विधानसभा अध्यक्ष सरवन सेन, एडवोकेट संजय नागोरी, ब्लॉक अध्यक्ष संदीप शर्मा ,विधानसभा सोशल मीडिया प्रभारी मानक धाकड़ , झांतला मंडल अध्यक्ष मानक जैन ,पूर्व मंडल अध्यक्ष संदीप अग्रवाल ,पार्षद प्रतिनिधि सत्यनारायण बिश्नोई ,नानालाल धाकड़ ,इकबाल मंसूरी ,रामेश्वर झांतला, शंकर लाल धाकड़ ,धीरज जैन,अशोक छिपा, अरविंद जैन, प्रेमचंद छिपा ,अरविंद सोनी ,पीयूष नागोरी, आसिफ पठान, शाहिद मोहम्मद,ब्लॉक कांग्रेस ,नगर कांग्रेस ,यूथ कांग्रेस के कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

योग को अपनी जीवन शैली का हिस्सा बनाए- प्रधान जिला न्यायाधीश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष, मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण माननीय श्री विवेक रूसिया के निर्देशन में मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 15 से 21 जून 2026 तक प्रदेश की समस्त जेलों में सात दिवसीय विशेष योग अभियान आयोजित किया जा रहा है। उक्त अभियान का शुभारंभ 15 जून 2026 को माननीय कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया।

जिला जेल, नीमच में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, नीमच श्री वीरेंद्र सिंह राजपूत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश श्री जितेन्द्र कुमार बाजोलिया, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री रवि कुमार बोरासी, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री विष्णु दुबे, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार, जेल अधीक्षक श्री यशवंत मांझी, जेल स्टाफ तथा बंदीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं बंदीगणों ने विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने उपस्थित बंदीगणों को योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों के संबंध में बताया कि योग स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का आधार है। उन्होंने बंदीगणों को उक्त विशेष योग अभियान में सक्रिय सहभागिता करने तथा योग को अपनी दैनिक जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाने हेतु प्रेरित किया।

16 जून से 15 अगस्त तक बंद ऋतु घोषित, मत्स्य आखेट पूर्णतः प्रतिबंधित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य में म.प्र.नदीय मत्स्योद्योग नियम 1972 की धारा (3)(2) के अंतर्गत 16 जून से 15 अगस्त 2026 तक की अवधि को बंद ऋतु (मत्स्य प्रजनन काल) घोषित किया गया है। इस अवधि में जिले की समस्त नदियों व जलाशयों में मत्स्य आखेट, मत्स्य विक्रय, मत्स्य विनिमय एवं मत्स्य परिवहन करना पूर्णतः निषिद्ध रहेगा।

छूट की स्थिति- मध्यप्रदेश शासन मछली पालन विभाग के ज्ञापन क्रमांक ई-17/2/84/36 दिनांक 23/07/1987 के अनुसार केवल ऐसे छोटे तालाब एवं अन्य जल स्त्रोत जिनका कोई संबंध किसी नदी से नहीं है और जिन्हें निर्दिष्ट जल की परिभाषा के अंतर्गत नहीं लाया गया है, को छोड़कर समस्त नदियों व जलाशयों में बंद ऋतु के दौरान मत्स्य आखेट पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

हज से लौटे अशरफ मेव (गुड्डू) का गर्म जोशी के साथ स्वागत, कांग्रेस नेताओं ने गले लगाकर किया सम्मान

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष अशरफ मेव (गुड्डू) के सोमवार को हज से लौटने पर कस्बे में जोरदार स्वागत किया गया।

इस दौरान परिजनों और रिश्तेदारों सहित विभिन्न धर्म समुदाय के लोगों ने उन्हें फूल मालाएं पहनाई तथा हज की मुबारक बाद देते हुए सकुशल वतन वापसी पर उन्हें बधाई दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात ट्रेन द्वारा मुंबई से रवाना होकर सुबह करीब 10 बजे वे कोटा पहुंचे तथा दोपहर साढ़े 12 बजे सिंगोली पहुंचे जहां पहले से मौजूद अंजुमन कमेटी के सदर डॉ. ईसुद्दीन कुरैशी, पूर्व सदर मोहम्मद जमील मेव सहित अंजुमन कमेटी के तमाम ओहदेदार और बड़ी संख्या में परिजनों और रिश्तेदारों ने उनका इस्तकबाल किया। तत्पश्चात उन्हें बैंड बाजे और जुलूस के साथ घर लेजाया गया।

जुलूस के दौरान रास्ते भर जहां विभिन्न धर्म समुदाय के लोगों ने उनका पुष्पहारों से स्वागत किया वहीं उन्होंने सभी को गले लगाकर उनके सभी के प्रति आत्मीयता व्यक्त की।

इस मौके पर पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संजय तिवारी, पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष राजेश नागौरी, राजकुमार छिपा, राजेश बगड़िया, सुधीर लसोड़, धीरज मोटनाक, सहित भाजपा नगर अध्यक्ष लोकेश पटवा, भरत मोटानाक, मुकेश जैन, शीतल मेहता, राजकुमार व्यास, शंभुलाल शर्मा, पार्षद प्रतिनिधि संजय सुथार, नरेंद्र जायसवाल, कन्हैलाल जंगम सहित अन्य कई लोगों को साल श्रीफल के साथ अभिनंदन किया।

बता दें कि अशरफ मेव विगत 6 मई को सपत्नीक पवित्र हज यात्रा पर गए थे। जहां से वे आज 15 जून को सकुशल लौट आए है।

कलेक्टर ने की पंचायत एवं ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा

पीएम आवास के 1250 मकान एक माह में पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी जनपद सीईओ, सहायक यंत्री एवं ब्लॉक समन्वयकों को योजनाओं में समयबद्ध प्रगति लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण- वर्ष 2024-25 में स्वीकृत आवासों में आगामी एक माह में जनपद पंचायत जावद में 700, मनासा में 350 एवं नीमच में 200 आवास पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्ष 2025-26 की शेष सभी स्वीकृतियां आगामी एक सप्ताह में पूर्ण करने हेतु जनपद सीईओ एवं ब्लॉक समन्वयकों को निर्देशित किया गया। जनपद पंचायत जावद की सभी अवयवों में कम प्रगति पर अप्रसन्नता व्यक्त कर कार्य में सुधार हेतु चेतावनी दी गई।

एनआरएलएम एवं मुद्रा योजना- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत स्व सहायता समूहों का बैंक लिंकेज आगामी 10 दिवस में बैंकों में प्रकरण प्रस्तुत कर 15 जुलाई तक 50त्न लोन वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पीएम मुद्रा योजना में 15 जुलाई तक 300 हितग्राहियों का लक्ष्य एवं लखपति दीदी के तहत संपूर्ण प्रविष्टि पोर्टल पर 7 दिवस में पूर्ण करने को कहा गया।

मनरेगा एवं जल संरक्षण- जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत अमृत सरोवर, खेत तालाब निर्माण, डगवेल रिचार्ज एवं जन भागीदारी से गाद निकासी की सफलता की कहानी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। 1 जुलाई से विकसित भारत अभियान अंतर्गत कार्यों के चयन हेतु युक्त धारा एवं प्लानर सॉफ्टवेयर का प्रस्तुतीकरण किया गया। एक बगिया मां के नाम के हितग्राहियों को सामग्री देयक भुगतान में सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा गया। सभी पूर्ण कार्यों की जियो टैगिंग 30 जून तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सभी होटल, रेस्टोरेंट, मेरिज गार्डन संचालक फायर सेफ्टी मॉकड्रील अवश्य कर लें- श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सभी होटल, रेस्टोरेंट एवं मेरिज गार्डन संचालक फायर सेफ्टी ऑडिट एवं मॉकड्रील अवश्य करवाए। मॉकड्रील में जो भी कमी पाई जाए, उनका सुधार अवश्य सुनिश्चित करें। जिले में संचालित ढाबों पर भी कोई अवैधानिक गतिविधियां ना हो, यह सुनिश्चित करें। ढाबो में लगे सीसीटीवी कैमरों से ढाबों के बाहर, मुख्य सड़क के आवागमन का फुटेज भी रिकार्ड हो, ऐसी व्यवस्था करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित रेस्टोरेंट, मेरिज गार्डन संचालकों की बैठक में दिए।

बैठक में निर्देश दिए, कि सभी होटल संचालक, रेस्टोरेंट एवं मैरिज गार्डन में सुरक्षित प्रवेश और सुरक्षित निकासी की व्यवस्था हो।आपात स्थिति में निकासी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी रहे, यह सभी संचालक सुनिश्चित करें। साथ ही होटल रेस्टोरेंट, मेरिज गार्डन के बाहर वाहनों की पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित हो। सड़क पर वाहन पार्किंग ना हो, यातायात में कोई व्यवधान ना हो यह सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्टर ने सभी होटल रेस्टोरेंट संचालकों को निर्देश दिए, कि वे खाद्य सुरक्षा मानकों का अक्षरश- पालन करें और ग्राहकों को अच्छी गुणवत्ता की खाद्य सामग्री ही उपलब्ध करवाए संस्थान में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखे।

कलेक्टर ने विद्युत सुरक्षा के मानकों का पालन करने पुरानी विद्युत लाईन फिटिंग, ए.सी. व अन्य विद्युत उपकरणों को चेक करवाकर आवश्यकता के अनुसार सुधार करवाने के निर्देश भी दिए।

जलकर संग्रहण में तेजी लाने व समूह जलप्रदाय योजना शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, वैज्ञानिक केन्द्रीय भू-जल बोर्ड जल शक्ति मंत्रालय भोपाल सुश्री ट्विंकल चड्ढा, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री दीपेश वास्पत, महाप्रबंधक जल निगम श्री धीरेन्द्र कुमार बिजौरिया एवं समस्त सदस्यगण उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने पंचायतों द्वारा जलकर संग्रहण कार्य की प्रगति की समीक्षा में निर्देश दिए, कि जिले की एकल ग्राम योजनाओं वाले ग्राम पंचायतों से समन्वय कर ग्रामवासियों से जलकर राशि वसूली हेतु जागरूक करें। ग्राम पंचायतों द्वारा अधिक से अधिक जलकर की राशि वसूल की जाए। कलेक्टर ने एकल ग्राम योजनाओं में जिन ग्रामों में योजना सामूहिक रूप से संचालित है, उन ग्रामों में ग्राम पंचायत के माध्यम से पंप ऑपरेटर नियुक्त करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। महाप्रबंधक, म.प्र. जल निगम को निर्देशित किया, कि समूह जलप्रदाय योजना का कार्य शीघ्र पूर्ण कर, ग्रामों में जल प्रदाय किया जाए। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जल संरक्षण एवं स्वच्छ पेयजल आपूर्ति शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिलाध्यक्ष शिवनारायण सेन चुकनी का जनसंपर्क दौरा संपन्न, जगह-जगह हुआ स्वागत-अभिनंदन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कांग्रेस केश शिल्पी कला प्रकोष्ठ के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष एवं गांधीवादी विचारक श्री शिवनारायण सेन चुकनी ने मनासा, डिकेन, पडदा, भाटखेड़ी सहित नगर व ग्रामीण क्षेत्रों का सघन जनसंपर्क दौरा किया।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने किया अभिनंदन*- दौरे के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री तरुण बाहेती ने श्री सेन का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। श्री बाहेती ने शिष्टाचार भेंट में बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, जनहित के मुद्दों पर संघर्ष तेज करने तथा कांग्रेस की विचारधारा को घर-घर पहुंचाने का मार्गदर्शन दिया।

मनासा में भव्य स्वागत*- मनासा नगर में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री सुरेंद्र श्याम सोनी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री रामप्रसाद कसेरा, जिला महासचिव श्री महेंद्र उपाध्याय, श्री राजू गरासीया, शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्री रवींद्र दामु विजयवर्गीय एवं प्रदेश सोशल मीडिया विभाग महासचिव श्री अंकित जैन सहित वरिष्ठ कांग्रेसजनों ने श्री सेन का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

ग्रामीण क्षेत्रों में अभिनंदन- केश शिल्पी समाजजनों ने जगह-जगह उनका अभिनंदन किया। जिला प्रचार मंत्री श्री प्रकाश चंद्र सेन भाटखेड़ी ने कहा कि श्री सेन के अध्यक्ष बनने से समाज में उत्साह है और अब केश शिल्पी योजना का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुंचेगा।

श्री सेन ने शीर्ष नेतृत्व व समाजजनों का आभार जताते हुए कहा कि यह पद उनके लिए सेवा का माध्यम है। गांधी जी के सिद्धांतों पर चलकर सामाजिक एकता, संगठन विस्तार और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना ही उनका लक्ष्य है।

नीमच जिलें में डाक फ्रेंचाइजी आउटलेट हेतु आवेदन आमंत्रित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कार्यालय अधीक्षक डाकघर, मंदसौर द्वारा भारतीय डाक विभाग की फ्रेंचाइजी योजना के अंतर्गत मंदसौर एवं नीमच जिलों में डाक सेवाओं के विस्तार हेतु इच्छुक व्यक्तियों एवं संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

योजना का उद्देश्य- आमजन तक डाक सेवाओं की पहुंच को अधिक सुलभ, प्रभावी एवं व्यापक बनाने के उद्देश्य से भारतीय डाक विभाग द्वारा फ्रेंचाइजी योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के तहत काउंटर सेवाएं फ्रेंचाइजी के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएंगी, जबकि डाक सामग्री का वितरण एवं संप्रेषण कार्य विभाग द्वारा पूर्ववत किया जाता रहेगा।

फ्रेंचाइजी आउटलेट पर उपलब्ध सेवाएं- डाक टिकट एवं डाक स्टेशनरी की बिक्री, स्पीड पोस्ट तथा पार्सल की बुकिंग, मनीऑर्डर की बुकिंग, पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस (पीएलआई) के एजेंट के रूप में कार्य करते हुए प्रीमियम संग्रहण सहित आफ्टर सेल सेवाएं।

पात्रता एवं शर्तें-

1. कोई भी एकल स्वामित्व, साझेदारी, एलएलपी फर्म या कंपनी, जो भारत में विधिक इकाई के रूप में पंजीकृत हो, फ्रेंचाइजी हेतु आवेदन कर सकती है।

2. इच्छुक आवेदकों के पास उपयुक्त कार्यस्थल, कंप्यूटर संचालन का मूलभूत ज्ञान तथा ग्राहकों के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित करने की क्षमता होना आवश्यक है।

3. चयनित फ्रेंचाइजी को विभाग द्वारा निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अनुसार सेवाओं का संचालन करना होगा।

आवेदन प्रक्रिया- मंदसौर डाक संभाग में फ्रेंचाइजी आउटलेट हेतु इच्छुक व्यक्ति एवं संस्थाएं 22 जून 2026 तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। फ्रेंचाइजी योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं आवेदन पत्र अधीक्षक डाकघर, मंदसौर कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं।

अफीम नीति में कलर मैचिंग लाइब्रेरी से जाँच का आधार प्रमुख रहेगा: अब कटेगा भ्रष्टाचारियों का पत्ता, नहीं कटेगा किसान का पट्टा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अफीम बेल्ट में इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी और क्रांतिकारी हलचल शुरू हो चुकी है! नीमच में आज सोमवार को नारकोटिक्स विभाग की बैठक अफीम नीति को लेकर आयोजित हुई! इसमें मंदसौर संसदीय क्षेत्र के सांसद सुधीर गुप्ता ने नई तकनीक की जानकारी दी है!

इस नई तकनीक से अफीम उत्पादक किसानों के चेहरों पर मुस्कान ला दी है और सिस्टम में बैठे बिचौलियों के पसीने छुड़ा दिए हैं।

सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि आगामी वर्ष के लिए औसत मॉर्फीन मानक 3.5 प्रतिशत निर्धारित किया जाए, ताकि प्राकृतिक परिस्थितियों से प्रभावित किसानों को राहत मिल सके। उन्होंने ओलावृष्टि, अतिवृष्टि एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों के लाइसेंस नवीनीकरण में विशेष छूट देने की मांग भी रखी।

उन्होने बैठक में कहा कि वर्ष 1998-99 से 2022-23 तक 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से अधिक औसत उत्पादन वाले किसानों को पुनः नीति में शामिल किया जाए तथा सभी सीपीएस किसानों को न्यूनतम 10-10 आरी क्षेत्र के लाइसेंस प्रदान किए जाएं। साथ ही पिछले पांच वर्षों के प्रदर्शन के आधार पर पात्र सीपीएस किसानों को चीरा पद्धति में शामिल करने और 900 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से अधिक पोस्ता भूसा उत्पादन देने वाले किसानों को भी चीरा पद्धति का लाभ देने पर विचार किया जाए।

बैठक में सीपीएस किसानों के लंबित भुगतान शीघ्र जारी करने, गुणवत्ता के आधार पर घटिया घोषित अफीम की फैक्ट्री रिपोर्ट सीधे संबंधित कार्यालयों को उपलब्ध कराने तथा 6 प्रतिशत से अधिक मॉर्फीन वाले किसानों को पुनः लाइसेंस का लाभ देने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। साथ ही वर्ष 1995-96 से 2022-23 तक ऐसे पात्र किसानों को भी आगामी नीति में शामिल करने का सुझाव दिया गया।

सांसद ने कहा कि जिन गांवों का पुराना खसरा रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है, वहां किसानों के पास उपलब्ध वैध दस्तावेजों के आधार पर लाइसेंस जारी किए जाएं। पूर्व वर्षों में फसल चोरी के कारण निरस्त लाइसेंसों की पुनः समीक्षा कर राहत प्रदान की जाए तथा वर्ष 1997-98 की व्यापक ओलावृष्टि को ध्यान में रखते हुए विशेष औसत मानकर किसानों को राहत दी जाए।

उन्होंने कहा कि जिन किसानों की भूमि दूसरे गांव में स्थित है, उन्हें निकटतम गांव में लाइसेंस संचालन की अनुमति मिले। जिन किसानों के वैध उत्तराधिकारी नहीं हैं, उनकी विधिवत वसीयत के आधार पर नामांतरण की व्यवस्था लागू हो तथा जिन परिवारों में परंपरागत रूप से एक से अधिक लाइसेंस रहे हैं, उनके वैध उत्तराधिकारियों के नाम पर भी लाइसेंस स्थानांतरित किए जाएं।

सांसद सुधीर गुप्ता ने मुखिया ग्राम चयन में रोटेशन प्रणाली लागू करने, दोषमुक्त एनडीपीएस प्रकरण वाले किसानों को अनावश्यक पुलिस प्रक्रिया से मुक्त रखने, स्व-घोषणा के आधार पर लाइसेंस जारी करने तथा वर्ष 1998-99 से 2022-23 तक ऐसे किसानों को नीति में शामिल करने की मांग रखी जिनकी पिछले पांच वर्षों में से कम से कम तीन वर्षों की औसत उपज 100 प्रतिशत से अधिक रही है।

उन्होंने सीपीएस तौल केन्द्रों की सूची समय पर जारी करने, अफीम फसल मुआवजा नीति की पुनर्समीक्षा करने, मुखिया ग्राम का पारिश्रमिक बढ़ाने तथा सीपीएस पद्धति के अंतर्गत पोस्ता भूसा के समर्थन मूल्य में वृद्धि करने की आवश्यकता भी बताई। उन्होंने कहा कि उत्पादन, कटाई, भंडारण, सुरक्षा एवं निगरानी की बढ़ती लागत को देखते हुए किसानों को उचित मूल्य मिलना अत्यंत आवश्यक है।

सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि जिला अफीम सलाहकार समिति किसानों और शासन के बीच महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करती है। बैठक में प्राप्त सभी सुझावों को समिति के माध्यम से उच्च स्तर पर भेजा जाएगा, ताकि आगामी अफीम नीति अधिक पारदर्शी, व्यावहारिक और किसान हितैषी बन सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन सुझावों पर सकारात्मक निर्णय होने से नीमच, मंदसौर और रतलाम जिले के हजारों अफीम उत्पादक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान संभव हो सकेगा।

इस बार की अफीम नीति (2026-27) में दो मुख्य मुद्दों को आधार बनाकर बनाए गए हैं!

दूध का दूध, पानी का पानी- कलर मैचिंग लाइब्रेरी का हाई-टेक प्रहार- सालों से अफीम किसान इस खौफ में जीते थे कि लैब टेस्टिंग में जरा सी हेराफेरी हुई और उनकी बरसों की मेहनत (अफीम का पट्टा) एक झटके में कट जाएगी। लेकिन अब... नो हेराफेरी, नो घूसखोरी!

मैदान में उतरी नई तकनीक- अब मॉर्फिन की जांच के लिए 250-टोन की अत्याधुनिक कलर मैचिंग लाइब्रेरी का इस्तेमाल किया जा रहा है।

100त्न पारदर्शिता का गारंटी कार्ड- यह ऐसी डिजिटल और अचूक तकनीक है जो अफीम की शुद्धता का फैसला बिना किसी इंसानी दखल के करेगी। यानी अब जांच में पूरी तरह दूध का दूध और पानी का पानी होगा!

खत्म हुआ 10 हजार पट्टों का खौफ- इस बेजोड़ तकनीक का ही जलवा है कि पहले जो हर साल 10,000 किसानों के पट्टे काट दिए जाते थे, वो काला दौर अब पूरी तरह से बंद हो चुका है!

पट्टों के नामांतरण- अफीम किसानों ने सांसद गुप्ता के सामने साफ लफ्जों में अपनी सबसे बड़ी दुखती रग पर बात रखी है। बैठक में यह माँग सांसद ने रखी!

किसानों की मांग है कि परिवार के मुखिया की मृत्यु के बाद अफीम का पट्टा दफ्तरों की फाइलों और बाबूराज के चक्करों में न फंसे!

मुखिया की मौत के बाद, अफीम का पट्टा बिना किसी देरी के, पहली प्राथमिकता के आधार पर मृतक की पत्नी या मां के नाम ट्रांसफर किया जाए!

अगर यह मांग नई नीति में शामिल होती है, तो यह अंचल की हजारों माताओं और बहनों के लिए सबसे बड़ा आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा कवच साबित होगी। अब किसानों को अपनी ही जमीन और हक के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे!

कलर मैचिंग लाइब्रेरी जहां धांधली के रास्ते बंद करेगी, वहीं नामांतरण का यह नया नियम पीड़ित परिवारों को संबल देगा। अब देखना होगा कि इस कड़क सुझाव पर दिल्ली की अंतिम मुहर कब लगती है!

सम्पादकीय

फर्जी प्ले, म्यूजिक और वीडियो : कॉपीराइट फ्रॉड पहले भी था

चर्चित गायक दिलजीत दोसांझ ने इस साल अप्रैल में 'द जिमी फैलन शो' में अपनी पंजाबी पहचान को बड़े फख्र के साथ पेश किया। उन्होंने पूरे जोश के साथ गाना गाया, मंच पर थिरके और बीच-बीच में हंसी-मजाक भी करते हुए नजर आए। वहीं, पिछले साल एड शीरन के दुनिया भर में हिट रहे गीत 'सैफायर' में अरिजीत सिंह की आवाज का जादू देखने को मिला। स्ट्रीमिंग की सुविधा ने मीडिया और मनोरंजन की दुनिया को आपूर्ति और मांग दोनों स्तरों पर एक समान स्तर पर ला दिया है, जिसके कारण यह एक बड़ा वैश्विक बाजार बन चुका है। दोसांझ, शीरन या बीटीएस जैसे कलाकार इसी बदलाव की देन हैं। वे अपनी राष्ट्रीय पहचान की सीमाओं को लांघकर दूर-दराज के दर्शकों और श्रोताओं तक अपनी पहुंच बना रहे हैं और विविध आवाजों, गीत और संगीत को सामने लाने के लिए अन्य संगीतकारों व गायकों के साथ जुगलबंदी कर रहे हैं।

मनोरंजन के भविष्य का अंदाजा लगाने के लिए संगीत एक बेहतरीन माध्यम है। दुनिया के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक म्यूजिक फाइल पहुंचाने के लिए बहुत कम डेटा और बेहद कम बैंडविड्थ की जरूरत होती है। इसी वजह से यह उन पहले कारोबारों में से एक था जो पहले इंटरनेट और फिर स्ट्रीमिंग के कारण पूरी तरह बदल गए। जब 1990 के दशक के आखिर में म्यूजिक फाइलों को छोटा करने वाली तकनीक 'एमपी3' लोकप्रिय हुई, तब युवाओं ने कॉम्पैक्ट डिस्क (सीडी) से गाने निकालकर उन्हें आपस में साझा करने के लिए एक नेटवर्क बना लिया जिससे यह पूरा कारोबार धराशायी हो गया। 'इंटरनैशनल फेडरेशन ऑफ द फोनोग्राफिक इंडस्ट्री' (आईएफपीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, 2001 में म्यूजिक का वैश्विक राजस्व जहां 22 अरब डॉलर था, वहीं 2014 में कम होकर महज 13 अरब डॉलर के निचले स्तर पर आ गया। इसके बाद 2001 में आईट्यून्स, 2005 में यूट्यूब और फिर 2016 से स्पॉटिफाई जैसे म्यूजिक स्ट्रीमिंग ऐप ने पूरे परिदृश्य को बदलने में मदद की। साल 2016 से राजस्व में फिर से बढ़ोतरी शुरू हुई और 2025 तक यह लगभग 32 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इस कारोबार में अब अच्छा प्रदर्शन हो रहा है।

दुनिया भर में, संगीत से होने वाली कुल कमाई का 70 फीसदी हिस्सा स्ट्रीमिंग से आता है। इसके बाद दूसरा सबसे बड़ा हिस्सा, यानी 16.6 फीसदी, रिकॉर्ड आदि की बिक्री से मिलता है, जिसमें पिछले साल विनाइल रिकॉर्ड्स की भारी मांग के चलते 8 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई। हालांकि, इसके सामने दो बड़ी चुनौतियां भी हैं।

पहली चुनौती यह है कि अधिकांश देशों में यूट्यूब और स्पॉटिफाई का दबदबा है। आप यह तर्क दे सकते हैं और जैसा कि आईएफपीआई भी कहता है कि हर बाजार में प्रभुत्व रखने वाले ब्रांड अलग-अलग हैं। मिसाल के तौर पर यह ऐपल, यूट्यूब, स्पॉटिफाई या फिर भारत में जियोसावन या पहले विंक जैसा कोई स्थानीय स्ट्रीमिंग ब्रांड हो सकता है। लेकिन हकीकत यही है कि भारत के म्यूजिक से जुड़े बाजार पर यूट्यूब का राज है और उसके बाद स्पॉटिफाई का नंबर आता है। इन मंच ने कमाई साझा करने के लिए सभी प्रक्रियाओं, प्रणाली और भुगतान के तौर-तरीकों को व्यवस्थित करने का बेहतरीन काम किया है। लेकिन ऐसा करने के साथ ही उन्होंने एक असंतुलन भी पैदा कर दिया है।

करीब 17.8 करोड़ श्रोताओं के भारतीय बाजार में, केवल 1.4 करोड़ लोग ही किसी म्यूजिक स्ट्रीमिंग सेवा का सशुल्क सब्सक्रिप्शन लेते हैं। वर्ष 2025 में वीडियो स्ट्रीमिंग के पास 2.72 करोड़ सब्सक्राइबर थे। म्यूजिक के क्षेत्र में, कारोबार का एक बड़ा हिस्सा विज्ञापनों से मिलने वाली कमाई पर निर्भर है। हर बार जब कोई गाना बजाया जाता है तब एक म्यूजिक लेबल को 4 से 10 पैसे के बीच की कमाई होती है जबकि वैश्विक स्तर पर यही अनुमानित कमाई 50 से 90 पैसे के बीच है। यह अनुमान मुफ्त और सब्सक्रिप्शन दोनों स्रोतों से होने वाली कुल आय के हिस्से को मिलाकर लगाया गया है।

कोई गाना भले ही करोड़ों बार क्यों न बजाया जाए लेकिन 4 पैसे बहुत बड़ी रकम नहीं बन पाती खासकर तब जब इसी कमाई से मार्केटिंग से लेकर रॉयल्टी तक हर चीज का खर्च निकालना हो। यही वजह है कि कुल कमाई की वृद्धि हमेशा गाने को सुने जाने की संख्या के मुकाबले पीछे छूट जाती है। वर्ष 2025 में भारत में लगभग 5,900 करोड़ रुपये की कमाई के साथ, म्यूजिक उद्योग की कमाई टीवी उद्योग की कमाई के 10 फीसदी से भी कम थी। दूसरी चुनौती जिसे आईएफपीआई की मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) विक्टोरिया ओकले वैश्विक स्तर पर जोर-शोर से उठा रही हैं वह है फर्जी प्ले यानी गानों को नकली तरीके से बार-बार बजाना।

आज आप आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) टूल का इस्तेमाल करके नकली कवर आर्ट, नकली बोल, नकली धुन और बैंड के नकली नाम के साथ सैकड़ों फर्जी गाने तैयार कर सकते हैं। फिर आप इन्हें स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर अपलोड कर सकते हैं।

इसके बाद, इंटरनेट पर इंसानों की तरह काम करने वाले एआई बॉट्स के जरिए इन गानों के व्यूज या स्ट्रीम्स की संख्या बढ़ा दी जाती है ताकि यह लगे कि बहुत से लोगों ने इन्हें सुना है। इसका सीधा सा मतलब यह है कि जो पैसा असल कलाकारों को मिलना चाहिए था, वह नकली प्ले का खेल रचने वाले किसी जालसाज की जेब में जा रहा है। 'स्ट्रीमिंग फार्म के जरिये अब इसे बाकायदा उद्योग की तरह बढ़ाया जा रहा है। कुछ अनुमान बताते हैं कि दुनिया भर में स्ट्रीमिंग से होने वाली कमाई का 10 से 20 फीसदी हिस्सा इन फर्जी प्ले की भेंट चढ़ रहा है।

सहजयोग मस्तिष्क परे जाकर विकसित होना है : श्री माताजी

श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रतिस्थापित सहजयोग ध्यान की वो सनातन पद्धति है जिसे आधुनिक वैज्ञानिकों व चिकित्सकों ने भी स्वीकार किया है। मनुष्य की जिन शारीरिक व मानसिक जटिलताओं को आधुनिक विज्ञान समझ नहीं सका उन्हें सहजयोग द्वारा समझाया गया है। विभिन्न शारीरिक रोगों में, मानसिक तनाव को दूर करने में, कृषि का उत्पादन बढ़ाने में, वातावरण की नकारात्मकता को दूर करने में सहजयोग ने अवर्णनीय प्रभाव दिखाया है।

परंतु इसका वास्तविक उद्देश्य कहीं व्यापक है यह आत्मा के परमात्मा से योग का साधन है इसके पश्चात समस्त बाधाएं स्वयं ही समाप्त हो जाती हैं। यह जीवंत अनुभव है जिसे पढ़कर नहीं समझा जा सकता सहजयोग विवेक व बोध के द्वारा क्रिया एवं विचारों से बाहर निकाल कर ध्यान का मार्ग प्रशस्त करता है। और हमें उस ज्ञान व विद्या का साक्षात्कार प्रदान करता है जो हमारे साथ जन्मी है, जो सहज है। श्री माताजी ने अपनी अमृतवाणी में वर्णित किया है कि,

सहजयोग को मानसिक न बनाएं। आप इसे मानवीय चेतना के माध्यम से नहीं समझ सकते। मैंने आपको सैंकड़ों बार कहा है कि आप अपने दिमाग की सीमित क्षमता से सहजयोग को नहीं समझ सकते। अपने हृदयों को खोलें। आपको सहजयोग में विकसित होना होगा। यह समझ लें कि आपको अपने दिमाग के पार जाकर विकसित होना है।

अपने मस्तिष्क या बुद्धि से, अगर हम समझ पाते, या हम अपना उत्थान पा लेते, तो यह इसे पाने का सबसे आसान तरीका होता। लेकिन नहीं, प्रत्येक मानव के पास एक सीमित सोच वाला दिमाग है। तो कोई इस ओर जाता है। कोई उस तरफ जाता है। कोई उस तरफ जाता है। और इसी तरह हमारे सामने युद्धों की समस्या है। हमारी समस्या यह है कि हर किसी का दृष्टिकोण अलग-अलग होता है।

भारत अब सिर्फ विकसित नहीं हो रहा, विश्व को विकसित कर रहा है

तकनीक की वैश्विक बिसात पर भारत अब मोहरा नहीं, चाल चलने वाला खिलाड़ी बनता दिख रहा है। फ्रांस के नीस में 14-16 जून 2026 को आयोजित 'भारत इनोवेट्स 2026' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कहना कि भारत अब ÷समाधान का उपभोक्ता नहीं, समाधान प्रदाता÷ है, केवल एक वक्तव्य नहीं बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन की घोषणा थी। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की उपस्थिति, 120 से अधिक डीप-टेक स्टार्टअप्स, 15 अग्रणी शिक्षण संस्थानों और सैकड़ों निवेशकों की भागीदारी ने इस दावे को मजबूती दी। यह वह क्षण था जब भारत ने दुनिया को जता दिया कि वह तकनीकी परिवर्तन का दर्शक नहीं, बल्कि उसकी दिशा तय करने वाली शक्ति बनने की ओर बढ़ चुका है।

भारत की तकनीकी उड़ान किसी एक घटना नहीं, वर्षों की तैयारी का परिणाम है। 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' ने इसकी मजबूत नींव रखी। जो देश कभी तकनीक खरीदता था, वह आज समाधान विकसित कर दुनिया को दे रहा है। इस कार्यक्रम में प्रदर्शित 120 डीप-टेक कंपनियों के पास सामूहिक रूप से 1,500 से अधिक पेटेंट हैं और उन्होंने 1.5 बिलियन डॉलर से ज्यादा पूंजी जुटाई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, जैव-प्रौद्योगिकी स्वच्छ ऊर्जा के अलावा स्वास्थ्य, जलवायु प्रौद्योगिकी, एयरोस्पेस, एग्रीटेक आदि 13 अग्रणी क्षेत्रों में भारतीय कंपनियाँ नई राह बना रही हैं। बढ़ते पेटेंट, निवेश और स्टार्टअप्स बताते हैं कि भारत अब केवल सेवा प्रदाता नहीं रहा। विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के देशों के लिए भारत ऐसे तकनीकी मॉडल प्रस्तुत कर रहा है जो किफायती भी हैं और बड़े पैमाने पर लागू किए जा सकते हैं। यही बदलाव भारत को वैश्विक विकास की नई धुरी बना रहा है।

भारत-फ्रांस संबंधों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे अब कूटनीति से आगे बढ़कर नवाचार, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी की साझेदारी में बदल रहे हैं। 'इंडिया-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन 2026' और विस्तारित रणनीतिक साझेदारी भविष्य की उसी रूपरेखा को रेखांकित करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्टार्टअप्स और वैज्ञानिक अनुसंधान में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों की निरंतर पहल ने दोनों देशों को स्वाभाविक सहयोगी बना दिया है। फ्रांस अब भारत को केवल एक बड़े बाजार के रूप में नहीं, बल्कि तकनीकी सह-निर्माता के रूप में देख रहा है। यही सोच इस रिश्ते को पारंपरिक द्विपक्षीय सहयोग से कहीं अधिक महत्वपूर्ण और दूरगामी बनाती है। भारत का उभरता तकनीकी सामर्थ्य कई पुराने शक्ति-केंद्रों के लिए चुनौती बन रहा है। कारण यह है कि वह तकनीक पर स्थापित एकाधिकार की दीवारों में दरार डाल रहा है। दशकों तक नवाचार कुछ देशों और कंपनियों के इर्द-गिर्द सिमटा रहा, लेकिन भारत अब अपनी अलग तकनीकी राह बना रहा है। एआई और उन्नत प्रौद्योगिकियों पर बढ़ते नियंत्रण के बीच भारत-फ्रांस सहयोग बदलते वैश्विक समीकरणों का संकेत है। सेमीकंडक्टर, उन्नत सामग्री और महत्वपूर्ण खनिजों में बढ़ती साझेदारी बता रही है कि भविष्य की तकनीकी आपूर्ति पर अब कुछ हाथों का वर्चस्व नहीं रहेगा। भारत का ÷सॉल्व्ड इन इंडिया÷ मॉडल धीरे-धीरे ÷सॉल्यूशन फॉर द वर्ल्ड÷ की अवधारणा में बदल रहा है।

भारत-फ्रांस सहयोग का सबसे मजबूत चेहरा अब रक्षा और रणनीतिक तकनीक में दिखता है। राफेल कार्यक्रम ने तकनीक हस्तांतरण और संयुक्त उत्पादन को नई दिशा दी है। दोनों देश अब रक्षा खरीद से आगे बढ़कर साझा निर्माण और उन्नत अनुसंधान की राह पर हैं। स्कॉर्पीन पनडुब्बियों से लेकर समुद्री सुरक्षा तक और साइबर सुरक्षा से लेकर क्वांटम अनुसंधान तक, सहयोग के नए द्वार खुल रहे हैं। परमाणु ऊर्जा में छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर चर्चा ऊर्जा सुरक्षा की नई संभावनाएँ प्रस्तुत करती है। अंतरिक्ष, विज्ञान और स्वच्छ ऊर्जा में सहयोग यह स्पष्ट करता है कि यह रिश्ता अब भविष्य की तकनीकी सभ्यता गढ़ने की साझी परियोजना बन चुका है। भारत की यह तकनीकी प्रगति 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को मजबूत आधार दे रही है। भारतीय स्टार्टअप अब केवल मुनाफा नहीं, बल्कि वास्तविक समाधान प्रस्तुत कर वैश्विक निवेश आकर्षित कर रहे हैं। जलवायु संकट के लिए क्लाइमेट टेक, स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई आधारित नवाचार और वित्तीय समावेशन में फिनटेक भारत की उभरती ताकत बन चुके हैं। ग्लोबल साउथ के कई देश भारत के विकास मॉडल को अपनाने की दिशा में देख रहे हैं। अमेरिका-चीन तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच भारत एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में उभर रहा है। उसकी सबसे बड़ी ताकत उसका लोकतांत्रिक, विविध और खुले नवाचार पर आधारित ÷तकनीकी मानववाद÷ है, जो तकनीक को केवल शक्ति नहीं बल्कि सेवा का माध्यम बनाता है।

तकनीकी प्रगति की इस तेज़ दौड़ में चुनौतियाँ भी उतनी ही वास्तविक हैं। तकनीक हस्तांतरण की गति बढ़ाना, बौद्धिक संपदा की सुरक्षा मजबूत करना, कुशल मानव संसाधन तैयार करना और आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुदृढ़ बनाना अभी भी प्रमुख आवश्यकताएँ हैं। वैश्विक प्रतिस्पर्धा में केवल महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि मजबूत संस्थागत ढांचा और निरंतर निवेश भी जरूरी है। भारत को अनुसंधान एवं विकास पर खर्च बढ़ाना, विश्वविद्यालयङ्कउद्योग सहयोग को गहरा करना और उभरती तकनीकों में वैश्विक मानक स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। फिर भी, सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि भारत इन चुनौतियों का सामना आत्मविश्वास और नेतृत्व की भावना के साथ कर रहा है। आज वैश्विक परिदृश्य में जो सबसे बड़ा बदलाव दिख रहा है, वह भारत की बढ़ती भूमिका से उपजा है। एक विशाल लोकतंत्र जब नवाचार, रक्षा, ऊर्जा और डिजिटल तकनीक में नेतृत्व करने लगता है, तो वैश्विक शक्ति-संतुलन अपने आप पुनर्गठित हो जाता है। नीस में मोदी का संदेश इसी परिवर्तन का उद्घोष था। यह घोषणा थी कि आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य आत्मकेंद्रित होना नहीं, बल्कि विश्व को नए समाधान देना है।

-प्रो. आरके जैन

एंथ्रोपिक विवाद ने दिखाया आइना, एआई नीति पर हो पुनर्विचार

अमेरिकी सरकार द्वारा एंथ्रोपिक के नवीनतम आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडलों की पहुंच सीमित करने के निर्देश के कई नीतिगत प्रभाव हो सकते हैं। यह एआई के विकास को लेकर भूराजनीति में बदलाव लाने वाला है और इसके चलते निवेशक एआई से जुड़े कारोबारों में निवेश के मूल्यांकन की समीक्षा भी कर सकते हैं। गत शुक्रवार को अमेरिकी वाणिज्य मंत्री ने 'निर्यात नियंत्रण निर्देश' जारी किए जिनके अनुसार एंथ्रोपिक को आदेश दिया गया कि वह अपने दो सबसे शक्तिशाली एआई मॉडल क्लॉड फेबल 5 और क्लॉड मिथोस 5 तक सभी गैर अमेरिकियों (एंथ्रोपिक में कार्यरत गैर अमेरिकियों समेत) की पहुंच रद्द कर दे। इस पत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया गया है।

एंथ्रोपिक ने कहा, 'हमें अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अपने सभी ग्राहकों के लिए फेबल 5 और मिथोस 5 को तुरंत निष्क्रिय करना होगा।' कंपनी का मानना है कि यह आदेश एक गलतफहमी के चलते जारी किया गया है। चिंताएं संभावित 'जेल ब्रेक' पर केंद्रित हैं। इस उद्योग की भाषा में जेल ब्रेक उन तरीकों को खोजने को कहते हैं जिनसे उच्च जो?खिम वाले क्षेत्रों में कार्यरत मॉडल पर लगाए गए प्रतिबंध और सुरक्षा उपाय हटाए जा सकें। एंथ्रोपिक ने फेबल 5 को मूल मॉडल मिथोस पर आधारित किया था जिसे उसने अप्रैल में लॉन्च किया था। मिथोस को बड़े पैमाने पर जारी नहीं किया गया क्योंकि इसे सुरक्षा उपायों के बिना बहुत अधिक शक्तिशाली माना गया। इसने सभी प्रमुख ऑपरेटिंग सिस्टम और वेब ब्राउजर में खामियां और कमजोरियां पहचानी थीं।

एंथ्रोपिक ने एक नियंत्रित पायलट परियोजना ग्लासविंग की शुरुआत की जिसमें गूगल, ऐपल, एमेजॉन, माइक्रोसॉफ्ट और क्राउडस्ट्राइक सहित करीब 50 जानी मानी कंपनियों को मिथोस का उपयोग रक्षात्मक साइबर सुरक्षा के लिए करने के लिए आमंत्रित किया गया था। आशंका थी कि बिना सुरक्षा उपायों के इसका उपयोग बैंकिंग और वित्तीय उद्योग में प्रयुक्त प्रणालियों को हैक करने या जैविक हथियार बनाने के लिए भी किया जा सकता है।

कंपनी ने गत मंगलवार को फेबल 5 को जारी किया जिसमें ग्लासविंग से मिली सीखों से उत्पन्न सुरक्षा शामिल की गई है। अगर कोई फेबल 5 को चलाकार किसी अहम सिस्टम को हैक करने या हथियार बनाने की कोशिश करता है तो यह मॉडल पुराने कम शक्तिशाली संस्करण की ओर लौट सकता है। अमेरिकी निर्देशों में ऐसी घटना का हवाला है जहां सुरक्षा प्रतिबंधों को धता बताने में कामयाबी मिली। एंथ्रोपिक नहीं मानती कि जेल ब्रेक का कोई गंभीर परिणाम है या यह कामयाब हुआ है। संभव है कि कंपनी अमेरिकी सरकार को आदेश वापस लेने या उसमें संशोधन करने के लिए राजी कर ले। कुछ लोगों के मुताबिक अमेरिकी प्रशासन ने बदले की कार्रवाई की है क्योंकि पहले पहले एक विवाद में एंथ्रोपिक ने पेंटागन को अपने मॉडलों का उपयोग जन निगरानी और स्वायत्त हथियारों के विकास के लिए करने से मना कर दिया था।

-धनंजय राजौरा

लिव-इन रिलेशनशिप, समाज में पनपता विकृत मानसिकता का दौर

आज समाज तीव्र गति से सामाजिक आर्थिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। वैश्वीकरण, शहरीकरण, पाश्चात्य जीवनशैली, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और तकनीकी विकास ने व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचनाओं को गहराई से प्रभावित किया है। इन्हीं परिवर्तनों के बीच लिव-इन रिलेशनशिप एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था के रूप में उभरी है, जिसे चाहें या न चाहें, समाज के एक वर्ग में स्वीकार्यता मिलती जा रही है। जो की सामाजिक संरचना के खतरनाक दौर को भविष्य में इंगित करती है। लिव-इन रिलेशनशिप का अर्थ है कि एक स्त्री और पुरुष बिना विवाह के साथ रहें और वैवाहिक जीवन जैसी परिस्थितियों में जीवन व्यतीत करें। यद्यपि इसके समर्थक इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आपसी समझ का माध्यम मानते हैं, किंतु इसके विरोधियों का मानना है कि यह व्यवस्था भारतीय सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है तथा इससे अनेक असामाजिक और पारिवारिक समस्याएँ जन्म ले सकती हैं।

भारतीय समाज की आधारशिला परिवार संस्था रही है। यहाँ विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का सामाजिक और सांस्कृतिक बंधन माना जाता है। विवाह संबंधों में सामाजिक उत्तरदायित्व, नैतिक प्रतिबद्धता और पारिवारिक स्थायित्व निहित होता है। इसके विपरीत लिव-इन रिलेशनशिप में यह स्थायित्व और सामाजिक उत्तरदायित्व अपेक्षाकृत कम दिखाई देता है। यही कारण है कि अनेक बार ऐसे संबंध थोड़े समय बाद समाप्त हो जाते हैं। जब दो व्यक्तियों के बीच मतभेद बढ़ते हैं या जीवन की प्राथमिकताएँ बदलती हैं, तो वे बिना किसी सामाजिक बंधन के अलग हो जाते हैं। इसका प्रभाव केवल उन दोनों व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवार और समाज पर भी पड़ता है।

लिव-इन रिलेशनशिप के समर्थक तर्क देते हैं कि इससे विवाह से पूर्व एक-दूसरे को समझने का अवसर मिलता है और असफल वैवाहिक जीवन की संभावना कम होती है। किंतु व्यवहारिक स्तर पर अनेक ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जहाँ यह व्यवस्था अस्थिर सिद्ध हुई है। कई बार भावनात्मक शोषण, आर्थिक विवाद, विश्वासघात, घरेलू हिंसा और मानसिक उत्पीड़न जैसी समस्याएँ भी उत्पन्न होती हैं। जब संबंधों में कानूनी और सामाजिक प्रतिबद्धता का अभाव होता है, तब उत्तरदायित्व से बच निकलना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है। यही कारण है कि कई बार व्यक्तिगत स्तर पर उत्पन्न विवाद गंभीर अपराधों का रूप भी ले लेते हैं।

इन सबके बीच सबसे अधिक चिंता का विषय उन बच्चों का भविष्य है, जो ऐसे संबंधों से जन्म लेते हैं। बच्चे किसी भी समाज और राष्ट्र की अमूल्य धरोहर होते हैं। उनका स्वस्थ मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास परिवार की स्थिरता पर निर्भर करता है। जब माता-पिता के संबंधों में स्थायित्व नहीं होता और वे अलग हो जाते हैं, तो इसका सबसे गहरा प्रभाव बच्चों पर पड़ता है। बाल मन अत्यंत संवेदनशील होता है। माता-पिता के बीच तनाव, झगड़े और अलगाव की स्थिति बच्चों के मन में असुरक्षा, भय और अकेलेपन की भावना पैदा कर देती है।

मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि बचपन में प्राप्त पारिवारिक वातावरण व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। जिन बच्चों को माता-पिता का संयुक्त स्नेह और मार्गदर्शन नहीं मिल पाता, उनमें आत्मविश्वास की कमी, अवसाद, चिंता और व्यवहार संबंधी समस्याएँ विकसित होने की संभावना अधिक रहती है। वे स्वयं को अन्य बच्चों से अलग महसूस कर सकते हैं। कई बार सामाजिक प्रश्नों और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण उनके मन में हीनभावना भी उत्पन्न हो जाती है। यह स्थिति उनके शैक्षणिक प्रदर्शन, सामाजिक संबंधों और भविष्य के निर्णयों को प्रभावित कर सकती है।

सामाजिक दृष्टि से भी यह विषय महत्वपूर्ण है। परिवार केवल व्यक्ति के पालन-पोषण का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कारों का प्रथम विद्यालय भी है। परिवार में ही बच्चे प्रेम, त्याग, अनुशासन, सहयोग और जिम्मेदारी जैसे मूल्यों को सीखते हैं। जब पारिवारिक संरचना कमजोर होती है, तो इन मूल्यों के विकास में बाधा आ सकती है। यह आवश्यक नहीं कि प्रत्येक लिव-इन रिलेशनशिप असफल ही हो, किंतु इसकी अस्थिरता की संभावना पारंपरिक विवाह की अपेक्षा अधिक मानी जाती है। इसलिए समाज के सामने यह चुनौती है कि वह बदलती परिस्थितियों में बच्चों के हितों और उनके भविष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे।

यह भी सत्य है कि आधुनिक जीवन में व्यक्तिगत स्वतंत्रता का महत्व बढ़ा है। प्रत्येक वयस्क व्यक्ति को अपने जीवन से जुड़े निर्णय लेने का अधिकार है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अनावश्यक हनन उचित नहीं माना जा सकता। किंतु स्वतंत्रता के साथ उत्तरदायित्व भी जुड़ा होता है। यदि किसी संबंध से बच्चों का जन्म होता है, तो उनकी सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और भावनात्मक विकास की जिम्मेदारी माता-पिता पर समान रूप से आती है। किसी भी परिस्थिति में बच्चों को उपेक्षा या असुरक्षा का शिकार नहीं होने देना चाहिए।

सरकार और न्यायपालिका ने भी समय-समय पर ऐसे संबंधों से जुड़े बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए विभिन्न प्रावधान किए हैं। बच्चों को वैधानिक अधिकार, संरक्षण और सम्मान मिलना चाहिए।

क्योंकि उनके जन्म की परिस्थितियों के लिए उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। समाज का भी यह दायित्व है कि वह ऐसे बच्चों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाए और उन्हें किसी प्रकार के भेदभाव का सामना न करना पड़े।

अंततः कहा जा सकता है कि लिव-इन रिलेशनशिप आधुनिक सामाजिक परिवर्तन का एक यथार्थ है, किंतु इसके साथ अनेक सामाजिक, नैतिक और पारिवारिक प्रश्न भी जुड़े हुए हैं। विशेष रूप से बच्चों का भविष्य इस व्यवस्था का सबसे संवेदनशील पक्ष है। संबंधों की अस्थिरता का सबसे बड़ा मूल्य अक्सर बच्चों को चुकाना पड़ता है। इसलिए आवश्यक है कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। किसी भी संबंध का मूल्यांकन केवल वयस्कों की इच्छाओं के आधार पर नहीं, बल्कि उससे प्रभावित होने वाले बच्चों और समाज के व्यापक हितों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। एक स्वस्थ, संवेदनशील और उत्तरदायी समाज वही होगा, जहाँ बच्चों के अधिकार, उनका मानसिक स्वास्थ्य और उनका सुरक्षित भविष्य सर्वोपरि माना जाए।

-संजीव ठाकुर

शिक्षा में एक नये युग एवं शैक्षिक क्रांति की आहट

आज पूरी दुनिया शिक्षा के एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां ज्ञान का विस्तार तो अभूतपूर्व हुआ है, लेकिन जीवन मूल्यों का क्षरण भी उतनी ही तेजी से दिखाई देता है। विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को सुविधासंपन्न बनाया है, लेकिन मानसिक तनाव, हिंसा, प्रतिस्पर्धा, नैतिक संकट और मानवीय संवेदनाओं के क्षय जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यह प्रश्न लगातार गूंज रहा है कि क्या वर्तमान शिक्षा व्यवस्था वास्तव में मनुष्य का निर्माण कर रही है या केवल पेशेवर और उपभोक्तावादी समाज का निर्माण कर रही है? ऐसे समय में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा प्रारंभ की गई आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल की योजना एक नई आशा, नई दृष्टि और नए शैक्षणिक दर्शन के रूप में सामने आई है। यह केवल विद्यालयों की स्थापना की योजना नहीं है, बल्कि शिक्षा को उसके मूल उद्देश्य से जोड़ने का एक महाअभियान है। महासभा ने देशभर में लगभग सौ विद्यालयों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में राजस्थान के श्रीडूंगरगढ़, गंगाशहर और नोखा तथा गुजरात के भुज में विद्यालयों का निर्माण और शैक्षणिक गतिविधियां तीव्र गति से संचालित हैं। इन विद्यालयों की स्थापना के पीछे केवल आधुनिक शिक्षण संस्थान खड़े करने की भावना नहीं है, बल्कि ऐसी शिक्षा संस्कृति विकसित करने का संकल्प है जो ज्ञान के साथ संस्कार, विज्ञान के साथ विवेक और सफलता के साथ संवेदनशीलता का समन्वय स्थापित कर सके।

तेरापंथ धर्मसंघ की शिक्षा-दृष्टि सदैव व्यापक, मानवीय और दूरदर्शी रही है। इस परंपरा में शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्ति का माध्यम नहीं माना गया, बल्कि व्यक्ति के समग्र विकास का आधार समझा गया है। तेरापंथ के आचार्यों ने समय-समय पर यह स्पष्ट किया कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाना है। यदि शिक्षा केवल बुद्धि को विकसित करे और हृदय को उपेक्षित छोड़ दे, तो वह अधूरी शिक्षा है। यदि वह ज्ञान तो दे लेकिन चरित्र न बनाए, तो वह समाज के लिए संकट भी उत्पन्न कर सकती है। आचार्य श्री तुलसी ने इस आवश्यकता को बहुत पहले पहचान लिया था। उन्होंने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नैतिकता को सामाजिक जीवन के केंद्र में स्थापित करने का प्रयास किया। उनका मानना था कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का वास्तविक विकास नैतिक आधार पर ही संभव है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों को स्थापित करने के लिए नैतिक पाठमाला और नैतिक शिक्षा परीक्षाओं का अभिनव प्रयोग प्रारंभ किया। उस समय यह केवल एक शैक्षणिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन का अभियान था। लाखों विद्यार्थियों ने इन कार्यक्रमों के माध्यम से सत्य, अहिंसा, अनुशासन, संयम, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता जैसे मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा प्राप्त की।

आचार्य महाप्रज्ञ ने इस विचारधारा को और अधिक वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक रूप प्रदान किया। उन्होंने जीवन विज्ञान के रूप में एक ऐसा शैक्षणिक मॉडल प्रस्तुत किया जिसमें शिक्षा को शरीर, मन, भावना और चेतना के विकास से जोड़ा गया। जीवन विज्ञान ने विद्यार्थियों को केवल परीक्षा में सफल होने की तैयारी नहीं दी, बल्कि तनावमुक्त जीवन, भावनात्मक संतुलन, आत्मानुशासन और सकारात्मक सोच की दिशा भी प्रदान की। आज जब दुनिया मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक शिक्षा पर गंभीरता से विचार कर रही है, तब यह अनुभव होता है कि जीवन विज्ञान जैसी अवधारणाएं अपने समय से बहुत आगे की सोच थीं। आचार्य महाश्रमण ने इस समूची परंपरा को एक नई ऊंचाई प्रदान की है। उनका व्यक्तित्व ज्ञान, साधना, अनुशासन, अहिंसा और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत समन्वय है। उनकी दृष्टि में शिक्षा केवल मस्तिष्क के विकास तक सीमित नहीं रह सकती। उसे मनुष्य के भीतर छिपी नैतिक, आध्यात्मिक और मानवीय संभावनाओं को भी जागृत करना होगा। इसी कारण उनके नाम पर स्थापित आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल केवल आधुनिक शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने वाले केंद्र बनने की क्षमता रखते हैं।

आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल का मूल मंत्र-÷ज्ञान, मूल्य और चरित्र÷ है जो वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता को अभिव्यक्त करता है। आज अधिकांश शैक्षणिक संस्थानों में ज्ञान और कौशल पर तो पर्याप्त ध्यान दिया जाता है, लेकिन मूल्य और चरित्र का पक्ष अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देता है। परिणामस्वरूप समाज में बौद्धिक प्रगति तो होती है, परंतु नैतिक और मानवीय संकट भी बढ़ते जाते हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इस असंतुलन को दूर करने का एक सार्थक एवं प्रभावी प्रयास साबित होगा। यहां शिक्षा का लक्ष्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि ज्ञान को विवेक में और विवेक को चरित्र में रूपांतरित करना है। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 भी इसी प्रकार की समग्र शिक्षा की आवश्यकता पर बल देती है। नई शिक्षा नीति में बहुआयामी विकास, जीवन कौशल, भारतीय ज्ञान परंपरा, मूल्य आधारित शिक्षा और समग्र व्यक्तित्व निर्माण को विशेष महत्व दिया गया है। किंतु किसी भी नीति की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे व्यवहार में उतारने वाले संस्थान कितने सक्षम हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इस दृष्टि से नई शिक्षा नीति के जीवंत और प्रभावी मॉडल बन सकते हैं। यहां आधुनिक पाठ्यक्रम, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी दक्षता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की तैयारी के साथ-साथ नैतिकता, आत्मानुशासन, सह-अस्तित्व और आध्यात्मिक चेतना को भी समान महत्व दिया जाता है।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष और प्रख्यात उद्योगपति महेंद्र नाहटा के अनुसार इस परियोजना को महासभा की प्रमुख शैक्षणिक गतिविधि के रूप में विकसित किया है। इन स्कूलों के उद्देश्य एवं उनकी दूरदृष्टि इस योजना को सामान्य विद्यालय परियोजना से कहीं अधिक व्यापक बनाती है। नाहटा का विश्वास है कि आने वाले समय में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन और डिजिटल तकनीक के युग में मशीनें अनेक कार्य कर सकेंगी, लेकिन करुणा, संवेदनशीलता, नैतिक निर्णय, मानवीय संबंध और आत्मिक संतुलन जैसे गुण केवल मनुष्य ही विकसित कर सकता है। इसलिए शिक्षा को मस्तिष्क के साथ-साथ हृदय और आत्मा को भी शिक्षित करना होगा। महेंद्र नाहटा का यह विचार अत्यंत महत्वपूर्ण है कि ये विद्यालय भारत की नई शिक्षा नीति को आध्यात्मिक दृष्टि से समृद्ध करने का माध्यम बन सकते हैं। यहां आध्यात्मिकता का अर्थ किसी धार्मिक संकीर्णता से नहीं है, बल्कि आत्म-जागरूकता, नैतिकता, सहिष्णुता, मानवीय एकता और आंतरिक संतुलन से है। यह दृष्टिकोण आज के वैश्विक समाज की भी आवश्यकता है, क्योंकि विश्व के अनेक विकसित देशों में शिक्षा सुधार की चर्चाओं का केंद्र मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक उत्तरदायित्व और मूल्य आधारित जीवन बनता जा रहा है।

आज शिक्षा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह विद्यार्थियों को सफल तो बना रही है, लेकिन संतुष्ट नहीं; बुद्धिमान तो बना रही है, लेकिन संवेदनशील नहीं; सक्षम तो बना रही है, लेकिन चरित्रवान नहीं। परिणामस्वरूप समाज में तनाव, अवसाद, हिंसा, असहिष्णुता और सामाजिक विघटन जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। ऐसे समय में शिक्षा के ऐसे मॉडल की आवश्यकता है जो मनुष्य को केवल प्रतिस्पर्धा के लिए नहीं, बल्कि जीवन के लिए तैयार करे। जो उसे केवल करियर नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य भी प्रदान करे। जो उसे केवल कमाना नहीं, बल्कि जीना भी सिखाए। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हैं। यहां विज्ञान और अध्यात्म, आधुनिकता और संस्कृति, तकनीक और नैतिकता, प्रतिस्पर्धा और सहयोग, सफलता और संवेदनशीलता के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया जायेगा। यह दृष्टिकोण भविष्य की शिक्षा का आधार बन सकता है। दुनिया भर में आज ऐसी शिक्षा की खोज हो रही है जो विद्यार्थियों को केवल ज्ञानवान नहीं, बल्कि विवेकवान और उत्तरदायी नागरिक भी बना सके। भारतीय शिक्षा परंपरा सदियों से इसी आदर्श की पक्षधर रही है।

-ललित गर्ग

देवास में बढ़ते सिजेरियन प्रसव पर उठे सवाल, निजी अस्पतालों में क्यों बढ़ रही ऑपरेशन से डिलीवरी ?

निजी अस्पतालों के आंकड़ों को सार्वजनिक करने की मांग; महिला चिकित्सकों की निजी प्रैक्टिस को लेकर भी चर्चाएं !

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में सिजेरियन (ऑपरेशन से प्रसव) के बढ़ते मामलों को लेकर स्वास्थ्य सेवाएं चर्चा के केंद्र में हैं। जिला अस्पताल में सामान्य प्रसव को बढ़ावा दिए जाने के दावों के बीच निजी अस्पतालों में बड़ी संख्या में सिजेरियन डिलीवरी होने की चर्चाओं ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। नागरिकों ने स्वास्थ्य विभाग से जिले के सरकारी और निजी अस्पतालों में होने वाले सामान्य एवं सिजेरियन प्रसव के आंकड़े सार्वजनिक करने तथा इसकी नियमित समीक्षा और ऑडिट कराने की मांग की है।

शहर में आमजन के बीच चर्चा है कि निजी अस्पतालों में सामान्य प्रसव की तुलना में सिजेरियन डिलीवरी का अनुपात लगातार बढ़ रहा है। कई परिवारों का कहना है कि गर्भवती महिलाओं और उनके परिजनों को सामान्य प्रसव के विकल्प, उसके लाभ और जोखिमों के संबंध में पर्याप्त जानकारी नहीं मिल पाती, जिसके चलते कई मामलों में ऑपरेशन को ही प्राथमिक विकल्प के रूप में स्वीकार करना पड़ता है।

सूत्रों के अनुसार जिला अस्पताल से भी प्रसूताओं को निजी अस्पतालों में रेफर किए जाने के मामले सामने आए हैं। इसे लेकर लोगों के बीच यह जानने की उत्सुकता है कि ऐसे रेफरल किन परिस्थितियों में किए गए और उनकी चिकित्सकीय आवश्यकता क्या थी। हालांकि इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई विस्तृत आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

इसी बीच कुछ समय पूर्व सोशल मीडिया पर एक कथित वीडियो भी चर्चा का विषय बना था, जिसमें जिला अस्पताल से जुड़ी एक महिला चिकित्सक को लेकर सवाल उठाए गए थे। वीडियो में प्रसूता के परिजनों द्वारा सिजेरियन प्रसव को लेकर नाराजगी जताई गई थी। हालांकि वीडियो की सत्यता, उससे जुड़ी परिस्थितियों और मामले में किसी प्रकार की कार्रवाई हुई या नहीं, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। इसके बावजूद घटना के बाद सरकारी चिकित्सकों की निजी अस्पतालों में सेवाओं को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया था।

शहर के कई नागरिकों का कहना है कि यदि सरकारी अस्पतालों में पदस्थ चिकित्सक निजी संस्थानों में भी सेवाएं दे रहे हैं तो इस संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश और निगरानी व्यवस्था सामने आनी चाहिए, ताकि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता प्रभावित न हो।

स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े जानकारों का कहना है कि अनेक मामलों में सिजेरियन प्रसव मां और नवजात शिशु की सुरक्षा के लिए आवश्यक और जीवनरक्षक विकल्प होता है। लेकिन यदि जिले में इसकी संख्या लगातार बढ़ रही है तो इसके कारणों का वस्तुनिष्ठ विश्लेषण किया जाना चाहिए।

विशेषज्ञों का मानना है कि समय पर जांच, प्रसव पूर्व परामर्श और उचित चिकित्सकीय देखभाल से कई मामलों में सामान्य प्रसव को भी प्रोत्साहित किया जा सकता है।

नागरिकों ने मांग की है कि जिले के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में पिछले वर्षों के सामान्य एवं सिजेरियन प्रसव के आंकड़े सार्वजनिक किए जाएं।

साथ ही प्रसव संबंधी मामलों का स्वतंत्र ऑडिट और नियमित समीक्षा कराई जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि बढ़ते सिजेरियन मामलों के पीछे चिकित्सकीय आवश्यकता प्रमुख है या अन्य कारण भी जिम्मेदार हैं।

बढ़ते सवालों के बीच अब लोगों की नजर स्वास्थ्य विभाग पर टिकी है। नागरिकों का मानना है कि प्रसव संबंधी आंकड़ों में पारदर्शिता, नियमित निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित होने से न केवल वास्तविक स्थिति सामने आएगी, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति आमजन का विश्वास भी मजबूत होगा।

पुरुषोत्तम मास के प्रथम दिवस से प्रारंभ हुई गायत्री महामंत्र सामूहिक जप साधना का अमावस्या के दिन पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ समापन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्ग दर्शन में पूरे विश्व में मातृ जन्म शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा हैं जिसमें विभिन्न साधनात्मक आयोजन किए जा रहें, इसी कड़ी में प्रज्ञा मंडल मिश्रीलाल नगर द्वारा पुरुषोत्तम मास के प्रथम दिवस से आचमन उद्यान मिश्रीलाल नगर में संध्या 7 बजे से प्रतिदिन 01घंटा गायत्री महामंत्र जप मौन साधना प्रारंभ की गई थी जिसका समापन अमावस्या के दिन पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ हुआ।

गायत्री परिवार के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि गायत्री परिवार के वरिष्ठ परिजन अरुण कुमार शैव्य के मार्गदर्शन में पुरुषोत्तम मास के प्रथम दिवस से आचमन उद्यान मिश्रीलाल नगर में संध्या 7ः00 बजे प्रतिदिन गायत्री महामंत्र जप मौन साधना प्रारंभ की गई थी जिसका समापन अमावस्या के दिन पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य, सुख समृद्धि एवं मानव मात्र के कल्याण हेतु उक्त सामूहिक साधना प्रतिदिन की जा रही थी। पुरुषोत्तम मास के अंतिम दिवस अमावस्या को मौन साधना में सम्मिलित परिजन एवं अन्य कॉलोनी वासी श्रद्धालुओं द्वारा पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ आचार्य पंडित देवीशंकर तिवारी के आचार्यत्व में संपन्न हुआ। श्रीवेदमाता गायत्री, परम पूज्य गुरूदेव पं.श्रीराम शर्मा आचार्यजी एवं वन्दनीया माता भगवतीदेवी शर्मा की पूजा व देव आव्हान कर पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ की शुरुआत की। एक माह से साधनारत वरिष्ठ परिजन अरविंद कुमार शर्मा ने बताया कि मौन साधना में प्रतिदिन गायत्री महामंत्र एवं महामृत्युंजय मंत्र जाप से आत्मिक सुख व आनंद की अनुभूति हुई एवं हृदय में आत्म ज्योति जागृत हुई। साधक जितेंद्र त्रिवेदी एवं कांतिलाल पटेल ने बताया कि प्रतिदिन सत्संग के माध्यम से शास्त्र के नवीन दृष्टांत से ज्ञानवर्धन हुआ। अन्य साधक रामप्रसाद मंडावरा, दिनेशचंद्र तिवारी, शांताराम पाटील, पुरणमल मालवीय एवं कपूरचन्द्र राठौर आदि ने बताया कि गीता के श्लोक द्वारा दिए गए संदेश से ज्ञान लाभ हम सभी को प्राप्त हुआ। आज पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुती के अवसर पर महाप्रसादी का वितरण भी किया गया। 20 परिजन को गुरु दीक्षा दी गई एवं प्रज्ञा शर्मा व अनिता योगी का जन्मदिन मनाया गया। परम वंदनीया माताजी के जन्म शताब्दी वर्ष में यह आयोजन अति महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ। इस अवसर पर गायत्री परिजन, श्रद्धालु एवं बच्चे भी शामिल हुए। आयोजक अरुण कुमार शैव्य ने एक माह से मौन साधना में लगे परिजन एवं यज्ञ में उपस्थित श्रद्धालुओं का हृदय से आभार व्यक्त किया।

चेतक की याद में दौड़ेंगे अश्व, तैयारियां पूर्ण

महाराणा प्रताप जयंती पर 17 जून को होगी घुड़दौड़ प्रतियोगिता

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी चेतक घुड़दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति के सदस्य धर्मेन्द्रसिंह बैस ने बताया कि संरक्षक विधायक गायत्रीराजे पवार के मार्गदर्शन में हल्दीघाटी युद्ध में भारत की आन-बान-शान के प्रतीक महान साहसी एवं फुर्तीले घोड़े चेतक को समर्पित यह प्रतियोगिता 17 जून को भोपाल बायपास स्थित सेंट्रल इंडिया स्कूल के सामने आयोजित होगी। प्रतियोगिता का शुभारंभ दोपहर 2 बजे से किया जाएगा। धर्मेन्द्रसिंह बैस ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रथम पुरस्कार विजय पंडित की ओर से, द्वितीय पुरस्कार नवीनसिंह सोलंकी की ओर से प्रदान किया जाएगा। वहीं अन्य विजेताओं को वीरेन्द्र सिंह ठाकुर की ओर से शील्ड एवं मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा वीरेंद्र सिंह ठाकुर सरपंच पटलावदा की ओर से सभी प्रतिभागियों का सम्मान भी किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने में करणी सेना प्रदेशाध्यक्ष विशाल रघुवंशी (चिंटू), महाराणा प्रताप सेना के ठाकुर राजेन्द्र सिंह बैस, स्टाम्प वेंडर राहुल पाटीदार, नाना बैस, आनंद कोठारी, दौलतसिंह दरबार कलमा, विजयसिंह दरबार पटलावदा, बसंत सिंह दरबार टोंककलां, गोपाल पहलवान, राहुल चौहान, युसूफ भाई, राजेश राठौड़ भौंरासा तथा अशोक प्रजापत भौंरासा विशेष सहयोग प्रदान करेंगे। समिति के सचिन भौंसले, नितिन जलोदिया, अजयसिंह गौड़, आनंदसिंह, विश्वराज सिंह बैस, चिंटू बैस एवं मयूरसिंह बैस ने क्षेत्र के खेल प्रेमियों, घुड़सवारों एवं आमजन से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। आयोजकों का कहना है कि यह प्रतियोगिता केवल खेल आयोजन नहीं, बल्कि वीरता, साहस और स्वाभिमान के प्रतीक महाराणा प्रताप एवं उनके प्रिय अश्व चेतक की स्मृति को समर्पित एक प्रेरणादायी आयोजन है।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने की जांच की मांग, कलेक्टर देवास को सौंपा शिकायत पत्र

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन (मध्य प्रदेश) के जिला उपाध्यक्ष आजाद पठान ने ग्राम सिया के नेतृत्व में जिला प्रशासन को एक शिकायत पत्र सौंपकर मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा चुनाव 2026 के नामांकन पत्र को निरस्त किए जाने की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

शिकायत पत्र जिला कलेक्टर, देवास को संबोधित किया गया है। इसमें कहा गया है कि राज्यसभा चुनाव 2026 के लिए मध्य प्रदेश से कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र निरस्त किए जाने की घटना से चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता, पारदर्शिता और लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रश्न खड़े हुए हैं। शिकायत में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 36 तथा निर्वाचन आयोग की रिटर्निंग ऑफिसर हैंडबुक, 2023 का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि नामांकन पत्र केवल वैधानिक आधारों पर ही निरस्त किया जा सकता है तथा गैर-गंभीर त्रुटियों के आधार पर नामांकन खारिज नहीं किया जाना चाहिए। संगठन ने यह भी कहा कि यदि नामांकन निरस्तीकरण का आधार किसी निजी शिकायत से संबंधित जानकारी का कथित रूप से प्रकटीकरण न करना था, तो यह जांच का विषय है कि क्या संबंधित अधिकारियों द्वारा सभी नियमों, दिशा-निर्देशों और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किया गया था। संगठन ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच कराने, नामांकन निरस्तीकरण की प्रक्रिया और आधारों की समीक्षा करने, किसी प्रकार की प्रक्रिया संबंधी त्रुटि पाए जाने पर सक्षम प्राधिकारी को अनुशंसा भेजने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने की मांग की है।

शिकायत की प्रतिलिपि राष्ट्रपति को भी भेजी गई है। संगठन का कहना है कि लोकतंत्र की मजबूती स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावों पर आधारित है, इसलिए जनहित में इस मामले पर उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। इस दौरान धन सिंह सोलंकी, भंवर सिंह नानुखेड़ी, राजकुमार देवड़ा, दीपक मोदी, बालकृष्ण पटेल, आनंद बना सिया, विक्रम चौधरी रोजड़ी, विजेंद्र सिंह राठौड़, संजय रेकवाल, जयराम मालविय, मुरलीधर मालवीय, जितेंद्र जयसवाल, वीरेंद्रसिंह, किशोर जायसवाल, कमल बामनिया, सुभाष हनोतिया, रमेश चंद्र गुर्जर, अर्जुन गुर्जर, सुनील गुर्जर, प्रदीप मालवीय, केदार पटेल, जगदीश चंदेल उपस्थित थे।

जिले में राष्ट्रीय पल्स-पोलियो अभियान 28 से 30 जून तक होगा आयोजित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सरोजिनी जेम्स बेक ने बताया कि जिले राष्ट्रीय पल्स-पोलियो अभियान 28 से 30 जून 2026 तक आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत पहले दिन बूथ पर तथा दूसरे एवं तीसरे दिन घर-घर जाकर 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ सुनील तिवारी ने बताया कि अभियान में जिले के 5 वर्ष तक के अनुमानित कुल 01 लाख 86 हजार 252 बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी। अभियान के दौरान बस स्टेण्ड, रेल्वे स्टेशन, जिले के क्रासिंग पाईंटों में बूथ बनाकर दवा पिलाई जायेगी साथ ही जिले में हाई रिस्क एरिया, ईंट भट्टे, निर्माण स्थल, मेले, झुग्गी-झोपड़ी, घुमक्कड़ आबादी स्थल को भी चिन्हित कर मोबाइल टीमों के द्वारा पोलियो की दवा पिलाने का कार्य किया जायेगा। दवा पिलाने के लिए टीकाकर्मी एवं सुपरविजन के लिए सुपरवाईजरों की ड्यूटी लगाई गई है, ताकि पल्स पोलियो की दवा पीने से कोई भी 0 से 5 वर्ष तक के बच्चे वंचित न रहे।

एमएससी कंप्यूटर साइंस की परीक्षा में पहुंचा गलत प्रश्न पत्र

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एबी रोड स्थित पं. बालकृष्ण शर्मा नवीन कॉलेज में सोमवार को एमएससी कंप्यूटर साइंस के द्वितीय सेमेस्टर की वीएसी परीक्षा होना थी। लेकिन जब परीक्षार्थियों के सामने पेपर आया तो उनके होश उड़ गए क्योंकि पेपर दूसरे विषय का आ गया था जो उनके सिलेबस से बाहर का था। जिसके बाद छात्रों ने परीक्षा केंद्र पर ही आपत्ति दर्ज कराई और कॉलेज प्रशासन को इसकी जानकारी दी। फिलहाल विद्यार्थियों से आवेदन लेकर कॉलेज प्रशासन द्वारा आगामी कार्रवाई की जा रही है।

छात्रों ने बताया कि वीएसी विषय फिजिक्स, एम्प्लायबिलिटी एंड एंटरप्रेन्योरशिप स्किल की परीक्षा में मिले प्रश्न पत्र के प्रश्न उनके निर्धारित पाठ्यक्रम से संबंधित नहीं थे। प्रश्न पत्र देखते ही विद्यार्थियों ने इसकी शिकायत महाविद्यालय प्रशासन से की। इस शिकायत मिलने के बाद महाविद्यालय प्रशासन ने पूरे मामले की जानकारी प्राचार्य को दी। कंप्यूटर लैब में पदस्थ प्रकाश बरफा ने बताया कि परीक्षा के दौरान गलत प्रश्न पत्र मिलने की जानकारी सामने आई है और विद्यार्थियों ने इस संबंध में लिखित आपत्ति दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि प्रभावित विद्यार्थियों से आवेदन लिखवाए जा रहे हैं। पूरे मामले की रिपोर्ट विक्रम विश्वविद्यालय को भेजी जाएगी। विश्वविद्यालय से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विश्व वरिष्ठजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस पर वरिष्ठ नागरिकों ने सौंपा ज्ञापन

पेंशन एरियर, महंगाई राहत और वरिष्ठजनों के अधिकारों को लेकर उठाई आवाज

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व वरिष्ठजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के अवसर पर देवास वरिष्ठ नागरिक संस्था के बैनर तले वरिष्ठजनों ने 15 जून को मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर देवास को ज्ञापन सौंपकर वरिष्ठ नागरिकों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से अवगत कराया। संस्था अध्यक्ष ओ.पी. पाराशर ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार वरिष्ठजनों के साथ होने वाला शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, भावनात्मक एवं सामाजिक दुर्व्यवहार मानवाधिकारों का उल्लंघन है।

वरिष्ठजनों के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं उनके सम्मानजनक जीवन की सुनिश्चितता के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 15 जून को अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस मनाया जाता है। ज्ञापन में मांग की गई कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के सभी शासकीय कार्यालयों में वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर सेवाएं प्रदान करने हेतु स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएं। साथ ही पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49(6) को समाप्त कर पेंशनर्स को नियमित कर्मचारियों के समान समय पर महंगाई राहत का लाभ दिया जाए। वरिष्ठजनों ने आरोप लगाया कि न्यायालय के आदेशों के बावजूद प्रदेश के पेंशनर्स को छठे वेतनमान का 32 माह तथा सातवें वेतनमान का 27 माह का एरियर भुगतान अब तक नहीं किया गया है, जो वरिष्ठ नागरिकों के आर्थिक शोषण के समान है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण हेतु अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, लेकिन अधिकांश वरिष्ठजन इनकी जानकारी से वंचित हैं। इसलिए शासन स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना आवश्यक है। संस्था ने माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम-2007 और मध्यप्रदेश नियम-2009 के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग करते हुए कहा कि वरिष्ठजनों की आर्थिक सुरक्षा, संपत्ति संरक्षण और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

इसके अतिरिक्त पेंशनर्स को समय पर महंगाई राहत, केंद्र सरकार के अनुरूप स्वास्थ्य सुविधाएं, कैशलेस बीमा योजना में समान प्रीमियम, जिला स्तर पर पेंशन कार्यालयों की निरंतरता, सेवानिवृत्ति के साथ आयुष्मान सुविधा प्रारंभ करने तथा रेलवे किराए में वरिष्ठ नागरिकों को पूर्ववत छूट बहाल करने की मांग भी की गई। संस्था ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस जैसे आयोजनों के लिए पर्याप्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की भी आवश्यकता जताई।

ज्ञापन के माध्यम से वरिष्ठजनों ने शासन से उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। ज्ञापन का वाचन सचिव श्रवण कुमार कानूनगो ने किया एवं आभार सदस्य गंगासिंह सोलंकी ने माना। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष विपिन कुमार कुमावत, उपाध्यक्ष हिमांशु कुमार ढाली, संयुक्त सचिव बंशीधर चावड़ा, कार्यकारिणी सदस्य शीलनाथ आरस, मनोहर डी. सिन्हा, सुश्री वीणा भार्गव, के.सी. नागर, श्याम कुमार शाह, डॉ राजेंद्र सिंह ठाकुर, बाबूलाल मालवीय सतवास, सत्यनारायण वर्मा, अनिल नाईक सहित वरिष्ठ जन उपस्थित थे।

अपराधियों की धरपकड़ के लिए रातभर पुलिस ने की गश्त

47 स्थायी वारंटी व 10 हजार के इनामी बदमाश को किया गिरफ्तार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस ने रविवार-सोमवार की दरमियानी रात अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने रातभर कॉबिंग गश्त की और अपराधियों के ठिकानों पर दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार किया।

इसका उद्देश्य जिले में अपराधियों पर शिकंजा कसना था। पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम मालवीय के नेतृत्व में जिलेभर के राजपत्रित अधिकारियों और थाना स्तर के 300 से अधिक पुलिसकर्मियों ने इसमें भाग लिया।

अभियान शुरू होने से पहले पुलिस अधीक्षक ने सभी टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस की अलग-अलग टीमें जिले के कई थाना क्षेत्रों में सक्रिय हुईं। वरिष्ठ अधिकारियों ने भी रातभर भ्रमण कर अभियान की निगरानी की। काम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस ने 47 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया। साथ ही 78 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए। अभियान के दौरान एनडीपीएस एक्ट के तहत 10 हजार रुपए के एक इनामी वारंटी को भी पकड़ा गया। पुलिस ने इस दौरान 12 जिला बदर अपराधियों का सत्यापन किया। इसके अलावा 73 गुंडा-बदमाशों और 104 निगरानीशुदा बदमाशों की भी जांच-पड़ताल की गई। आबकारी एक्ट के तहत पांच प्रकरण दर्ज किए गए। पुलिस ने 35 होटल, लॉज, ढाबों और धर्मशालाओं की सघन जांच की। बैंक, एटीएम और अन्य संवेदनशील स्थलों पर भी विशेष निगरानी रखी गई।

रिहा हुए कैदियों पर भी रखी नजर, संदिग्धों को भी तलाशा- पुलिस टीमों ने सक्रिय अपराधियों, जेल से रिहा हुए बदमाशों और संदिग्ध व्यक्तियों के घरों व संभावित ठिकानों पर पहुंचकर जानकारी जुटाई। उन्हें आपराधिक गतिविधियों से दूर रहने की चेतावनी भी दी गई। यही नहीं पुलिस द्वारा इनकी आगामी गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है। एसपी यशपालसिंह राजपूत ने कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसे विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

भोपाल-दाहोद एक्सप्रेस से गिरे युवक की मौत, गेट पर बैठने से हुआ हादसा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के बेरछा थाना क्षेत्र में रविवार शाम एक युवक की भोपाल-दाहोद एक्सप्रेस ट्रेन से गिरने के कारण मौत हो गई। युवक किसी काम से उज्जैन जा रहा था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार आष्टा क्षेत्र के ग्राम मुढ़लाय निवासी राहुल रविवार शाम शुजालपुर से ट्रेन में सवार होकर उज्जैन के लिए रवाना हुआ था। ट्रेन जब बेरछा स्टेशन के समीप पहुंची तभी राहुल अचानक चलती ट्रेन से नीचे गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वह मुंह के बल गिरा, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और घटनास्थल पर ही उसकी मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलने पर बेरछा थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवश्यक जांच-पड़ताल के बाद पंचनामा कार्रवाई की और शव को देर रात जिला अस्पताल शाजापुर भेजा। सोमवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। बताया जा रहा है कि मृतक राहुल मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। उसके परिवार में पत्नी के अलावा एक पुत्र और एक पुत्री हैं। पुलिस इस पूरे मामले की आगे की जांच कर रही है।

शासकीय छात्रावास में खाना बनाते समय फटा कूकर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के पोस्ट मैट्रिक छात्रावास में खाना बनाते समय गैस पर चढ़ाया प्रेशर कुकर तेज धमाके के साथ फट गया। कुकर का ढक्कन उड़कर लेडी कुक की छाती में लगा जिससे महिला घायल हो गई। हादसा सोमवार सुबह करीब 11 बजे हुआ जिसका वीडियो फुटेज भी सामने आया है।

कीचन में लगे कैमरे में यह घटना कैदहो गई, जिसमें दिखाई दे रहा है कि हॉस्टल की महिला कर्मचारी रामकन्या बाई गैस चूल्हे पर छात्रों के लिए खाना बना रही थी। उसने एक गैस बर्नर पर कड़ाही रखी, फिर दूसरे बर्नर पर रखे कुकर को छुआ। तभी कुकर में तेज धमाका हो गया। जलने के बाद उसने तुरंत पास रखा पानी अपने शरीर पर डाला। कुकर फटने की आवाज सुनकर एक छात्र दौड़कर कमरे में आया और गैस बंद की। हालांकि महिला को ज्यादा चोंट नहीं आई और डॉक्टरों के अनुसार महिला खतरे से बाहर है। रामकन्या बाई ने बताया कि वह खाने के लिए दाल-चावल और रोटी बना रही थी। दाल पकाते समय कुकर फट गया। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जब यह हादसा हुआ उस समय कई छात्र हॉस्टल में मौजूद थे जो बाहर बैठे थे। जैसे ही धमाका हुआ विद्यार्थियों ने अंदर की तरफ दौड़ लगाई।

अस्पताल ही परोस रहा बीमारियां, परिसर में लगा गंदे पानी का अंबार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला अस्पताल के दवा वितरण केंद्र के बाहर गंदा पानी जमा होने से मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। परिसर में फैली गंदगी के कारण बदबू और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे अस्पताल की स्वास्थ्य सुविधाओं के दावों पर सवाल उठ रहे हैं।

एक ओर जहां जिला प्रशासन मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान चला रहा है, वहीं दूसरी ओर जिला अस्पताल परिसर में ही गंदे पानी का जमाव मच्छरों के पनपने का कारण बन रहा है। दवा वितरण केंद्र के बाहर पानी भरे रहने से आसपास का वातावरण दूषित हो गया है और तेज बदबू फैल रही है। हालात ये है कि लोगों का परिसर में खड़ा रहना मुश्किल हो रहा है। क्योंकि एक तरफ गंदे पानी की बदबू और दूसरी ओर मच्छरों का प्रकोप जिससे लोगों का बुरा हाल हो रहा है। जिला अस्पताल में दवा लेने आए एक मरीज ने बताया कि यहां काफी बदबू आ रही है। उन्होंने तत्काल साफ-सफाई कराने की मांग की, ताकि मरीजों को असुविधा न हो। युवक के अनुसार लोग बीमारी का इलाज कराने आते हैं, लेकिन ऐसी गंदगी से उन्हें नई बीमारियों का खतरा हो सकता है। इस मामले में सिविल सर्जन डॉ. बी.एस. मैना ने जानकारी दी कि कर्मचारियों को सफाई के निर्देश दिए गए हैं।

'हल्ला बोल' - 16 जून को बरलाई शक्कर मिल पर अंशधारक किसानों का महाधरना

सरकार से दो-दो हाथ करने को तैयार किसान - मोती सिंह पटेल

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बरलाई सहकारी शक्कर कारखाना अंशधारक किसान संघर्ष समिति के बैनर तले 16 जून 2026, मंगलवार को सुबह 10ः00 बजे से बरलाई शक्कर मिल परिसर के मुख्य द्वार पर अंशधारक किसान परिवारों का भव्य एक दिवसीय धरना-आंदोलन आयोजित किया जा रहा है। किसान नेता मोती सिंह पटेल ने कहा कि अब किसान सरकार से आर-पार की लड़ाई के लिए तैयार हैं।

संयुक्त किसान नेतृत्व का ऐलान- इंदौर दुग्ध संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं किसान नेता मोती सिंह पटेल, नरेंद्र मंडलोई, उमानारायण सिंह पटेल, विक्रम चौधरी, हंसराज मंडलोई, जीतू ठाकुर अध्यक्ष इंदौर जिला किसान कांग्रेस विक्रम मुकाती, विश्वजीत सिंह तंवर, रामेश्वर गुर्जर, कन्हैयालाल ठाकुर, विजेंद्र सिंह, ओमप्रकाश परसावदिया, गोपाल सिंह चौधरी, सूर्यकुमार ओस्तवाल,श्याम सोनी,पवन यादव,सुरेंद्र सिंह ठाकुर,दिनेश मल्हार सुरेश डाबी, प्रहलाद डाबी आशीष चौबीसिया चंदू सोलंकी,मनीष चौधरी, इंदर अंजना,दिनेश पटेल यशवंत केलोदिया पंडित अरविंद त्रिवेदी लाखन सरपंच सुरेश पटेल राजा पटेल कैलाश डाबी,यशवंत डाबी, बबलू डाबी मोहन डाबी संतोष चौधरी बलराम पटेल,नाथुलाल मंत्री आदि किसान संघर्ष समिति के सदस्यों ने संयुक्त बयान जारी कर धरने की जानकारी दी।

क्यों मजबूर हुए किसान आंदोलन को-

किसान नेताओं ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया-

1. आपत्ति के बाद भी नामांतरणः अंशधारक किसानों ने 13 फरवरी 2026 को अनुविभागीय अधिकारी सांवेर को जमीन नामांतरण पर आपत्ति दर्ज कराई और 19 फरवरी 2026 को कलेक्टर इंदौर को भी लिखित ज्ञापन दिया। इसके बावजूद प्रशासन ने किसानों की एक न सुनी और 17 मार्च 2026 को शक्कर मिल की जमीन का नामांतरण कर दिया गया।

2. ऋद्धा में भी जानकारी नहींः मोती सिंह पटेल ने बताया कि हमने परिसमापक अधिकारी, इंदौर एवं संयुक्त पंजीयक सहकारी संस्थाएं, इंदौर के यहां सूचना के अधिकार के तहत शक्कर मिल का बायलॉज, नियम, उपविधि एवं अंशधारक सदस्यों की सूची मांगी थी। चार माह बीत जाने के बाद भी आज तक कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई। यह पारदर्शिता पर सीधा हमला है।

3. निर्माण कार्य पहले से शुरूः नामांतरण से पहले ही मिल की जमीन पर रेडीमेड गारमेंट कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया, जो पूरी तरह अवैध है।

किसानों की मुख्य मांगें- समिति ने स्पष्ट किया कि हमारे पूर्वजों ने 50-60 वर्ष पूर्व 500 एवं 1000 के शेयर लेकर इस मिल की स्थापना की थी। उस समय जमीन का भाव 500 से 1000 प्रति बीघा था।

इसलिए हमारी दो स्पष्ट मांगें हैं-

1. उचित मुआवजाः अंशधारक किसान परिवारों को उनके अंश के अनुपात में आज के वर्तमान बाजार भाव से पूरा मुआवजा दिया जाए।

2. रोजगार में प्राथमिकताः प्रस्तावित रेडीमेड उद्योग में अंशधारक किसान परिवारों के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को प्राथमिकता से स्थायी रोजगार दिया जाए।

आंदोलन की चेतावनी- मोती सिंह पटेल ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यदि शासन-प्रशासन द्वारा किसानों की जायज मांगों पर तत्काल विचार नहीं किया गया तो लगातार और उग्र आंदोलन किया जाएगा। जमीन पर चल रहे अवैध निर्माण कार्य को भी किसानों द्वारा रोका जाएगा। उन्होंने कहा कि अपने हक के लिए यदि किसानों को न्यायालय की शरण में जाना पड़ा तो हम पीछे नहीं हटेंगे। इस आंदोलन से उत्पन्न होने वाली समस्त परिस्थितियों की पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

- समयः प्रातः 10ः00 बजे

समिति ने समस्त अंशधारक किसान परिवारों, वारिसों एवं आम जनता से इस हक की लड़ाई में भारी संख्या में शामिल होने की अपील की है।

खनन माफियाओं की सांठगांठ से देपालपुर में चल रहा है अवैध उत्खनन का बड़ा खेल

खतेडिया सनावदा के तालाबों में बैखौफ चल रही पोकलेन मशीनें

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के नजदीक देहात इलाकों में जल संरक्षण के दावों की धज्जियाँ उड़ाते हुए खनन माफियाओं ने तालाबों को लूट का अड्डा बना लिया है। देपालपुर जनपद पंचायत के अंतर्गत खतेड़िया सारंग और सनावदा में अवैध खुदाई का ऐसा खेल चल रहा है कि तालाब अब तालाब न रहकर 30-40 फीट गहरे जानलेवा खाई बन चुके हैं। जिम्मेदार प्रशासन की नाक के नीचे चल रहे इस खेल में काली मिट्टी की आड़ में कीमती पीली मिट्टी और मोरम का सरेआम सौदा किया जा रहा है।

काली मिट्टी का बहाना, पीली मिट्टी पर निशाना- सरकारी कागजों में ग्राम पंचायतों से मंजरी इस बात की ली गई थी कि किसान अपने खेतों के सुधार के लिए तालाब से ऊपरी काली मिट्टी ले जाएंगे। लेकिन धरातल पर हकीकत डरावनी है। माफियाओं ने पोकलेन और जेसीबी मशीनों के जरिए तालाबों को 30 से 40 फीट तक खोद डाला है। जैसे ही काली मिट्टी की परत खत्म हुई, नीचे से निकलने वाली कीमती पीली मिट्टी और मोरम को डंपरों में भरकर ऊंचे दामों पर बाजारों में बेचा जा रहा है।

खतेड़िया तालाब में पाल तोड़कर बनाया रास्ता- गांव खतेड़िया सारंग के सर्वे नंबर 209 पर स्थित 228 बीघा में फैला सरकारी तालाब पर इस वक्त माफियाओं का कब्जा है। हद तो तब हो गई जब डंपरों की बेखौफ आवाजाही के लिए माफियाओं ने सर्वे नंबर 201 की पाल (मेड़) को ही तोड़ दिया। मौके पर दो-दो पोकलेन मशीनें दिन-रात खुदाई कर रही हैं, जिससे तालाब का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया है।

वही यही हाल सनावदा के सर्वे नंबर 582 वाले तालाब का है। यहाँ भी गहरी खुदाई के कारण जलस्तर बढ़ने की संभावना खत्म हो गई है। उलटा, इतनी गहराई तक खुदाई होने से भविष्य में मवेशियों और इंसानों के डूबने का खतरा पैदा हो गया है। क्षेत्र में चर्चा है कि यह पूरा खेल खनिज विभाग, जनपद पंचायत और ग्राम पंचायतों की मिलीभगत से चल रहा है। जिले में सबसे ज्यादा अवैध उत्खनन देपालपुर के ग्रामीण क्षेत्र में हो रहा है, लेकिन जिम्मेदारों ने अब तक मौके पर जाकर झांकना भी मुनासिब नहीं समझा।

इनका कहना है- जनपद पंचायत द्वारा सिर्फ एनओसी दी गई कोई खुदाई की अनुमति नहीं दी गई

-पूजा मालाकार सीईओ जनपद पंचायत देपालपुर

मैं अभी पार्टी में हूं बाद में बात करेंगे।

-मोहनलाल यादव सचिव ग्राम पंचायत सनावदा

गेहलोत के कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने पर खाटू श्याम सेना ट्रस्ट ने किया स्वागत

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया समाजसेवी श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट शाजापुर जिला अध्यक्ष सेवा निवृत्त शिक्षक डॉ सुशील कुमार गेहलोत को प्रोग्रेसिव पेंशनर एसोसिएशन के अकोदिया ब्लाक कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने पर ट्रस्ट के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल के प्रतिष्ठान पर स्वागत समारोह आयोजित कर ट्रस्ट की ओर से बाबा श्याम का दुपट्टा पहनाकर पुष्प हार से स्वागत किया गया प्रदेश अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल ने कहा कि डॉ गेहलोत हमेशा ही सेवा भावना से कार्य करते हैं उसी का परिणाम है कि संगठन के वरिष्ठ जनों द्वारा आपको इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सोपी गई आपने संगठन के वरिष्ठ जनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए डॉ गेहलोत को बधाईयां दी है अवसर पर श्याम प्रेमी तरुण कुशवाह रमेश थानेरा सहित श्याम प्रेमी उपस्थित रहे।

7 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री महावीर विद्यालय हायर सेकेंडरी स्कूल (सीबीएसई) में आयोजित 7 दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री दिलीप शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं विद्यालय समिति सदस्य श्री संजय डूंगरवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री दिलीप शर्मा ने शिक्षक प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी प्रतिभागी शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्य पुस्तकों से ही नहीं, बल्कि अपने श्रेष्ठ आचरण, व्यवहार एवं जीवन मूल्यों से भी विद्यार्थियों को शिक्षा देते हैं। उन्होंने शिक्षकों से निरंतर सीखते रहने और स्वयं को समयानुकूल विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि श्री महावीर विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए श्रेष्ठ आचरण एवं संस्कारयुक्त विद्यार्थियों का निर्माण कर रहा है। अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री संजय डूंगरवाल ने प्रशिक्षण की उपादेयता को रेखांकित करते हुए शिक्षकों से प्रशिक्षण संबंधी प्रश्न पूछे तथा उनके अनुभव जाने। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिक्षक को अपना फीडबैक अवश्य देना चाहिए, जिससे भविष्य में प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी एवं उपयोगी बनाया जा सके। उन्होंने आधुनिक शिक्षण संसाधनों के उपयोग के साथ-साथ चरित्र निर्माण एवं नैतिक शिक्षा पर भी विशेष बल दिया। विद्यालय के प्राचार्य श्री मनोज शर्मा ने सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता एवं नियमित उपस्थिति के लिए सभी शिक्षकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को नवीन शिक्षण तकनीकों, व्यवहारिक शिक्षा, नैतिक मूल्यों एवं समकालीन शैक्षिक आवश्यकताओं से जोड़ते हुए उन्हें और अधिक दक्ष बनाना है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के पूजन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रतिवेदन श्रीमती शिखा शर्मा ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती प्रीति जैन एवं श्रीमती वीणा गानु ने किया तथा अंत में श्रीमती नीतू रघुवंशी ने आभार प्रदर्शन किया। समापन अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

मदाना पहुंचे विधायक इंदर सिंह परमार, वरिष्ठ जनों का किया सम्मान

मालवा के मोदी के नाम से प्रसिद्ध हैं विधायक इंदर सिंह परमार

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को ग्राम मदाना में शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री इंदर सिंह परमार क्षेत्रीय दौरे के दौरान शाम 4 बजे पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने शिक्षक कुमेर सिंह सिसोदिया के निवास पर पहुंचकर सेना में चयनित अमित सिसोदिया का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इसके पश्चात मंत्री श्री परमार एवं जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया शिव मंदिर परिसर पहुंचे, जहां भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर ग्राम के वरिष्ठ नागरिकों एवं बुजुर्गजनों का शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा द्वारा गांव-गांव जाकर वरिष्ठजनों एवं मातृशक्ति का सम्मान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनता के आशीर्वाद से बनी है, इसलिए प्रत्येक नागरिक का सम्मान करना हमारा दायित्व है।

इसके बाद मंत्री श्री परमार एवं जिला पंचायत अध्यक्ष छोटे पाथी हनुमान मंदिर परिसर पहुंचे, जहां अखंड पारायण समिति के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में अतिथियों ने वरिष्ठ नागरिकों के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लिया तथा मातृशक्ति का भी सम्मान किया।

जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया ने अपने संबोधन में कहा कि विधायक इंदर सिंह परमार के नेतृत्व में क्षेत्र में चौमुखी विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास को लेकर किसी को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि डबल इंजन की सरकार विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

अपने उद्बोधन में विधायक इंदर सिंह परमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। साथ ही उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर कार्य करते रहने का विश्वास दिलाया।

कार्यक्रम के समापन पर सहभोज का आयोजन किया गया। इसके बाद मंत्री श्री परमार ने गांव के विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर नागरिकों से मुलाकात की और तत्पश्चात शुजालपुर के लिए रवाना हुए।

उज्जैन कोटा ट्रेन का उन्हेल आगमन पर स्वागत किया

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोटा उज्जैन मेमू ट्रेन का उन्हेल आगमन पर ट्रेन का व ड्राइवर गार्ड का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया इस सौगात मिलने पर क्षेत्र वासियों ने रेल मंत्री व सांसद महोदय का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर मूलचंद जैन, भारत पाल, नीलेश माहेश्वरी, प्रवीण जैन,करणसिंह आंजना दीपक पाल,पूर्व सरपंच श्रवणसिंह पंवार, संजू पटेल, बाबूसिंह पंवार, कुलदीपसिंह,विनीत पाल, नितिन जैन,धर्मेन्द्र चौधरी, सुनील प्रजापत, मुन्नालाल डाबी, नवीन कुशवाह, शकूर मंसूरी, रामप्रसाद पाटीदार,सोहन दरबार, जीतू दरबार, मनीष सेन, विशाल भाटी, राकेश सेठी आदि जन बड़ी संख्या में मौजूद थे।

हरी झंडी की चमक फीकी: मेमू चली, लेकिन छीनी गई सुविधाओं का हिसाब मांग रहे यात्री

कोटा-उज्जैन मेमू का शुभारंभ, आलोट स्टेशन पर स्वागत; बंद ट्रेनों और कटौती से नाराज दिखे यात्री

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोटा-उज्जैन विस्तारित मेमू ट्रेन का संचालन सोमवार से शुरू हो गया। आलोट रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में उज्जैन सांसद ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रेलवे अधिकारियों की मौजूदगी में ट्रेन का स्वागत किया गया और इसे क्षेत्र के यात्रियों तथा श्रद्धालुओं के लिए बड़ी सौगात बताया गया। हालांकि, समारोह के उत्साह के बीच यात्रियों की नाराजगी भी खुलकर सामने आई।

नई सुविधा पर खुशी, पुरानी सुविधाएं छिनने का दर्द- स्थानीय यात्रियों का कहना है कि नई ट्रेन सेवा का स्वागत है, लेकिन इसके बदले यदि वर्षों से संचालित सुविधाएं समाप्त हो जाएं तो इसका लाभ अधूरा रह जाता है। यात्रियों के अनुसार हाल के दिनों में कई रेल सेवाओं में बदलाव से आम लोगों की परेशानियां बढ़ी हैं।

बंद ट्रेनों को लेकर उठ रहे सवाल- यात्रियों का आरोप है कि फिरोजपुर जनता एक्सप्रेस, कोटा-जबलपुर एक्सप्रेस तथा कोटा-रतलाम मेला गाड़ी जैसी महत्वपूर्ण ट्रेनों के संचालन पर असर पड़ा है, जिससे लंबी दूरी के यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। हालांकि रेलवे की ओर से इन निर्णयों के पीछे परिचालन संबंधी कारण बताए जाते रहे हैं।

मेमू के सीमित संचालन से बढ़ी चिंता- दैनिक यात्रियों ने कोटा-नागदा मेमू के संचालन में किए गए बदलाव पर भी नाराजगी जताई। उनका कहना है कि नागदा तक सीधी सुविधा प्रभावित होने से नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों और व्यापारियों को अतिरिक्त समय और खर्च वहन करना पड़ रहा है।

कोटा जंक्शन पर बढ़ा इंतजार- यात्रियों के अनुसार रूट व्यवस्था में बदलाव के कारण कई यात्रियों को कोटा जंक्शन पर घंटों प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के साथ यात्रा करने वालों के लिए यह स्थिति अधिक चुनौतीपूर्ण साबित हो रही है।

सस्ती यात्रा सुविधाओं में कटौती का आरोप -कुछ यात्रियों ने ट्रेनों में सेकंड सीटिंग (2स) सुविधा में कमी को लेकर भी चिंता जताई है। उनका कहना है कि इसका सीधा असर मध्यमवर्गीय और सामान्य यात्रियों की जेब पर पड़ रहा है।

श्रेय की राजनीति के बीच यात्री हित सबसे बड़ा मुद्दा- सोशल मीडिया पर भी इस विषय को लेकर बहस जारी है। एक ओर जनप्रतिनिधि नई रेल सुविधा को विकास का प्रतीक बता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर यात्रियों का कहना है कि विकास का सही अर्थ सुविधाओं का विस्तार है, न कि पुरानी सुविधाओं में कटौती।

रेलवे से पुनर्विचार की मांग- क्षेत्र के नागरिकों और यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि नई सेवाओं के साथ प्रभावित रेल सुविधाओं की भी समीक्षा की जाए, ताकि यात्रियों को सुविधा के नाम पर असुविधा का सामना न करना पड़े।

फिलहाल, आलोट स्टेशन पर मेमू को हरी झंडी मिल गई है, लेकिन यात्रियों के मन में उठ रहे सवालों को भी जवाब का इंतजार है।

कन्या क्रीड़ा परिसर करड़ावद बड़ी में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित कन्या क्रीड़ा परिसर करड़ावद बड़ी, जिला झाबुआ में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्राओं के प्रवेश हेतु चयन प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं उन्हें उत्कृष्ट प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 22 जून से 26 जून 2026 तक चयन परीक्षा आयोजित की जाएगी। जनजातीय कार्य विभाग के नियमानुसार जनजातीय वर्ग की छात्राओं का चयन बैटरी टेस्ट एवं खेल कौशल के आधार पर किया जाएगा। चयन प्रक्रिया के अंतर्गत तीरंदाजी, क्रिकेट एवं एथलेटिक्स खेलों के लिए पात्र छात्राओं की परीक्षा निर्धारित शर्तों के अनुसार ली जाएगी।

राजस्थान के यात्रियों को मिली उज्जैन तक सीधी रेल सुविधा, कोटा उज्जैन मेमू ट्रेन का हुआ विस्तार

सांसद एव रेलवे अधिकारियो का माना आभार

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्थान सहित पूरे मालवा अंचल के रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी सौगात के रूप में पश्चिम रेलवे ने गाड़ी संख्या 61624/61623 कोटाङ्कचौमहला मेमू ट्रेन का विस्तार उज्जैन तक कर दिया है। विस्तारित सेवा 15 जून 2026 से प्रारंभ हो गई है, जिससे मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच रेल संपर्क और अधिक मजबूत होगा।

करा सम्मान - इस अवसर पर नागदा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक-1 पर भव्य कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र के सांसद अनिल फिरोजिया, नागदा विधायक डॉ. तेजबहादुर सिंह चौहान, उज्जैन जिला ग्रामीण अध्यक्ष राजेश धाकड़ तथा पश्चिम रेलवे के डीआरएम अश्विनी कुमार सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं रेलवे अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का पुष्पमालाएं पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

माना आभार - कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने कोटाङ्कउज्जैन मेमू ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ट्रेन के विस्तार पर उपस्थित जनसमूह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सांसद अनिल फिरोजिया सहित रेलवे प्रशासन का आभार जताया।

यह रहेगा ट्रेन का समय- नई व्यवस्था के अनुसार गाड़ी संख्या 61624 कोटा से प्रातः 5:40 बजे रवाना होकर नागदा सहित विभिन्न स्टेशनों से होते हुए दोपहर 12:00 बजे उज्जैन पहुंचेगी। वहीं, वापसी में गाड़ी संख्या 61623 उज्जैन से दोपहर 12:30 बजे प्रस्थान कर नागदा होते हुए शाम 7:05 बजे कोटा पहुंचेगी।

यात्रियों को होगा विशेष लाभ- ट्रेन के उज्जैन तक विस्तार से नागदा, महिदपुर रोड, आलोट तथा आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को विशेष लाभ मिलेगा। दैनिक यात्री, विद्यार्थी, कर्मचारी, व्यापारी एवं अन्य रेल उपभोक्ताओं को अब अधिक सुविधाजनक, सुलभ और किफायती रेल सेवा उपलब्ध हो सकेगी।

क्षेत्रवासियों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे मालवा अंचल में रेल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। लोगों का मानना है कि इस नई सुविधा से क्षेत्र की आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

विश्व हिन्दू परिषद का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग उन्हेंल नगर की धाकड़ धर्मशाला में सम्पन्न हुआ

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निप्र. विश्व हिन्दू परिषद का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग उन्हेंल नगर की धाकड़ धर्मशाला में सम्पन्न हुआ अभ्यास वर्ग में नागदा,खाचरोद, बड़नगर, इंगोरिया एवं उन्हेंल के 150 से अधिक कार्यकर्त्ताओ ने भाग लिया, वर्ग के उद्घाटन सत्र में विहिप के प्रान्त विमर्श प्रमुख एवं राष्ट्रीय कवि मुकेश जी मौलवा के आतिथ्य में दीप प्रजव्वलित कर वर्ग प्रारंभ किया गया इस अवसर पर मनचासीन पदाधिकारी प्रान्त गौ रक्षा प्रमुख जगदीश धाकड़, विभाग मंत्री विष्णु पाटीदार, जिला अध्यक्ष ओजेस सोलंकी, जिला मंत्री जीतेन्द्र पांचाल रहे, कार्यक्रम का संचालन वर्ग बौद्धिक प्रमुख रानी दीदी व्यास ने किया संगठन समय समय पर अभ्यास वर्ग के माध्यम से अपने कार्यकर्त्ताओ एवं पदाधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करता है ताकी कार्यकर्त्ता अनुशासन के साथ राष्ट्र एवं हिन्दू हित के कार्यों को निरंतर गति प्रदान करते रहे प्रान्त पदाधिकारी मुकेश मौलवा ने कार्यकर्त्ताओ को सम्बोधित करते हुए विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल की स्थापना के उद्देश्य और संगठन की उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी सम्पूर्ण वर्ग में कुल छः बौद्धिक सत्र सम्पन्न हुए जिसमें विभाग सामाजिक समरसता प्रमुख भंवर लाल अंटोलिया, मानसी उपाध्याय, ईश्वर लाल हल्कारा आदि ने बौद्धिक सत्र लिया विहिप बजरंग दल प्रान्त मंत्री विनोद शर्मा ने समापन सत्र में कार्यकर्त्ताओ को सम्बोधित करते हुए कहा की मुगलों और विदेशी आक्रमण कारियों के दबाव में ना आकर अपने धर्म को बचाने वाले दलित समाज का तिरस्कार नहीं बल्कि सम्मान होना चाहिए, संगठन के कार्यकर्त्ता जिस स्थान पर भी हो यह सुनिश्चित करें की उस गांव या शहर में सामाजिक समरसता बनी रहे इस अवसर पर वर्ग में विभाग सामाजिक सह समरसता प्रमुख राजेंद्र पाटीदार, जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र आंजना,जीवन चौधरी , देवेंद्र सेन, जिला सह मंत्री समरथ सेन, जिला संयोजक महेश आंजना, जिला धर्म प्रसार प्रमुख दिलीप जी राठौर, जिला सेवा प्रमुख रमेश प्रजापत, जिला विशेष संपर्क प्रमुख मुकेश सांगितला, जिला सुरक्षा प्रमुख अर्जुन करनावद, जिला विधि प्रकोष्ठ गौरव शर्मा, जिला सह गौ रक्षा प्रमुख रोशन शुक्ला, जिला साप्ताहिक मिलन प्रमुख संदीप कच्छवा, जिला धर्मचार्य संपर्क प्रमुख श्रवण शर्मा,जिला विधार्थी प्रमुख मुकेश देवड़ा,ईश्वर सिंह आंजना, कमल दास बैरागी, संजय आंजना, कान्हा ढोढरिया भरत प्रजापत कमल मृत्युंजय भीम सिंह ढोबरिया,पुष्पेंद्र राठौर,राकेश शर्मा,कृपाल सिंह तंवर, कालू सिंह गुर्जर, संध्या खेरवार रामेश्वर आंजना, आकाश राव, गोविन्द नागर,आदि उपस्थित रहे।

पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट पर लापरवाही का साया

उद्घाटन के एक साल बाद ही गिरने लगे अक्षर, सवालों के घेरे में निर्माण गुणवत्ता और अधिकारी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी दृष्टिकोण और मध्यप्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयां देने की प्रतिबद्धता के प्रतीक, पीएम मित्र पार्क टेक्सटाइल पार्क के मुख्य प्रवेश द्वार से निर्माण की गंभीर लापरवाही उजागर हुई है। मात्र एक वर्ष के भीतर ही मुख्य द्वार पर स्टील से लिखे अक्षर गिरने लगे हैं, जो न केवल सरकारी काम में लापरवाही को उजागर करता है बल्कि प्रधानमंत्री और मध्यप्रदेश की साख के लिए भी चिंताजनक है।

यह एक गंभीर विषय है क्योंकि इस पार्क का भव्य उद्घाटन स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 सितंबर 2025 को किया था। यह पार्क धार जिले के बदनावर में हजारों करोड़ रुपये के निवेश और व्यापक रोजगार सृजन के वादे के साथ स्थापित किया गया है। सबसे बड़ा और हैरान करने वाला सवाल यह है कि इस मुख्य द्वार से हर दिन क्षेत्र के कई प्रशासनिक अधिकारी, विभाग के आला अफसर और जनप्रतिनिधि गुजरते हैं। इस ऐतिहासिक पार्क की प्रगति देखने और यहां होने वाले आयोजनों में शामिल होने के लिए नेताओं और अफसरों का आना-जाना लगातार लगा रहता है। कई बड़े नेता और अधिकारी इस गेट के सामने खड़े होकर अपनी तस्वीरें भी खिंचवाते हैं, लेकिन अफ़सोस की बात है कि किसी का भी ध्यान इस बदहाली की ओर नहीं गया।

जनता अब यह पूछ रही है कि रोजाना यहां से निकलने वाले इन वीआईपी और जिम्मेदार अधिकारियों को क्या यह टूटते अक्षर दिखाई नहीं दिए, या फिर उन्होंने देश के प्रधानमंत्री के नाम से जुड़े इस गौरवशाली बोर्ड की दुर्दशा को देखकर भी नजरअंदाज करना ज्यादा बेहतर समझा। यह उदासीनता अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

तस्वीर में यह साफ देखा जा सकता है कि प्रवेश द्वार के एक पिलर पर ÷क्करू स्क्रूक्क्र और उसके नीचे ÷क्क्रय÷ के अक्षर उखड़ चुके हैं। जिससे नाम अधूरा और विकृत दिख रहा है। यह गंभीर दृश्य स्पष्ट करता है कि अक्षरों को लगाने में किस कदर लापरवाही बरती गई है। यह एक उच्च-गुणवत्ता वाले, दीर्घकालिक निर्माण का संकेत बिल्कुल नहीं है, जैसा कि एक राष्ट्रीय महत्व के प्रोजेक्ट से अपेक्षित था।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उद्घाटित एक प्रोजेक्ट में इस स्तर की लापरवाही बेहद शर्मनाक है। जब प्रधानमंत्री किसी प्रोजेक्ट का उद्घाटन करते हैं, तो उस पर न केवल पूरे देश की, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नजर होती है। यह पार्क आत्मनिर्भर भारत के तहत मध्यप्रदेश को टेक्सटाइल हब बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम था। इस तरह की लापरवाही न केवल प्रधानमंत्री के नाम को प्रभावित करती है, बल्कि मध्यप्रदेश की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और निवेश-अनुकूल छवि पर भी सवाल उठाती है। एक वर्ष के भीतर ही यह हालत होना यह दर्शाता है कि भविष्य में इस पार्क के अन्य निर्माण कार्यों की क्या गुणवत्ता होगी। यदि मुख्य प्रवेश द्वार का यह हाल है, तो आगे क्या होगा, यह एक बड़ा प्रश्न चिन्ह है।

इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के मुख्य द्वार पर इस तरह की लापरवाही केवल अक्षरों का गिरना नहीं है, यह जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही, घटिया सामग्री का उपयोग और निरीक्षण की कमी का प्रमाण है। क्या गुणवत्ता मानकों के साथ समझौता किया गया। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री को इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। रोजाना यहां से गुजरने वाले और फोटो खिंचवाने वाले जनप्रतिनिधियों तथा अफसरों को भी अपनी जवाबदेही तय करनी होगी। एक साल भी नहीं बीता, और यह हालत है—तत्काल जांच और सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है ताकि दोषियों को बेनकाब किया जा सके।

उन्हेल को जाम से मुक्ति कब मिलेगी..

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर का नवीन बस स्टैंड अब जनता के लिए सिरदर्द बन गया है। जिम्मेदारो की लापरवाही के चलते यहां दिन में 4 से 5 बार भीषण जाम लग रहा है। हालात इतने बदतर हैं कि मरीजों को ले जा रही एंबुलेंस कई मिनटों तक जाम में फंस रही है।

कचोरी के चक्कर में जाम में फंसा उन्हेल- बस स्टैंड पर उन्हेल की फेमस कचोरी खाने के चक्कर में लोग चार पहिया वाहन रोड पर ही खड़े कर देते हैं। वहीं सड़क पर अतिक्रमण के कारण आधा रास्ता जाम हो जाता है। जिसका नतीजा - रोज जाम, रोज परेशानी।

प्रशासनिक व्यवस्था जीरो- पूरे बस स्टैंड पर ट्रैफिक संभालने वाला एक भी जवान नहीं दिखता। ना नो-पार्किंग बोर्ड, ना चालानी कार्रवाई। ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह भगवान भरोसे है। जनता पूछ रही है - समस्या सुनाए तो किसे सुनाए?

स्कूली बच्चों पर मंडराया खतरा- कुछ ही दिनों में स्कूल शुरू होने वाले हैं। अगर स्थिति यही रही तो स्कूली बच्चे समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाएंगे। देरी की हड़बड़ाहट में कहीं स्कूल बस चालक जल्दबाजी कर इन मासूमों के लिए कोई नई समस्या खड़ी न कर दें।

सबसे बड़ा सवाल- जिम्मेदारी किसकी- अगर जाम में फंसी एंबुलेंस के कारण किसी मरीज की जान चली गई या देरी के चक्कर में स्कुली बच्चों के साथ कोई हादसा हो गया, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा?

जन कल्याण शिविर में अव्यवस्था पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने जनपद पंचायत मेघनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत रंभापुर एवं मदरानी में आयोजित जन कल्याण शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों एवं आवेदकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा विभिन्न विभागों द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने शिविर में लगाए गए विभागीय स्टॉलों, प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण की प्रक्रिया का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान शिविर में पाई गई अव्यवस्थाओं पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाएं तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन कल्याण शिविरों का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है, इसलिए सभी अधिकारी-कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। निरीक्षण के दौरान सेक्टर रंभापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत तांदलादरा के सचिव, ग्राम पंचायत झाराडाबर के सचिव एवं ग्राम पंचायत जामनिया के सचिव अनुपस्थित पाए गए। इसके अतिरिक्त रंभापुर सोसायटी के मैनेजर दिनेश खातेडिया, ब्लॉक समन्वयक वीरेन्द्र मावी तथा एस.ए.डी.ओ. प्रकाशचंद्र बामनिया भी अनुपस्थित मिले। कलेक्टर ने इनकी अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन कल्याण शिविरों में सभी विभागों की उपस्थिति एवं सहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा प्राप्त आवेदनों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

16 जून से 15 अगस्त तक नदियों एवं जलाशयों में मत्स्याखेट रहेगा प्रतिबंधित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के मत्स्य पालन विभाग द्वारा मध्य प्रदेश नदीय मत्स्योद्योग नियम, 1972 की धारा 3(2) के अंतर्गत प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 16 जून से 15 अगस्त 2026 तक की अवधि को बंद ऋतु (क्लोज सीजन) घोषित किया गया है। इस अवधि में कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा जिले की समस्त नदियों एवं जलाशयों में मत्स्याखेट पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

मत्स्य पालन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार ऐसे छोटे तालाब अथवा अन्य जल स्त्रोत, जिनका किसी नदी से कोई संबंध नहीं है तथा जिन्हें निर्दिष्ट जल की परिभाषा के अंतर्गत नहीं लाया गया है, इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। इनके अतिरिक्त सभी नदियों एवं जलाशयों में बंद ऋतु के दौरान मत्स्याखेट, मत्स्य परिवहन, क्रय-विक्रय तथा इससे संबंधित अन्य गतिविधियां प्रतिबंधित रहेंगी।

विभाग ने बताया कि बंद ऋतु का उद्देश्य मछलियों के प्रजनन काल के दौरान उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा मत्स्य संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देना है। इससे जलाशयों एवं नदियों में मत्स्य संपदा के संरक्षण के साथ-साथ भविष्य में मत्स्य उत्पादन में वृद्धि सुनिश्चित की जा सकेगी। मध्य प्रदेश नदीय मत्स्योद्योग नियम, 1972 की धारा 3(2) तथा मध्यप्रदेश मत्स्य क्षेत्र (संशोधन) अधिनियम, 1981 की धारा 5 के अंतर्गत बंद ऋतु के दौरान अवैधानिक रूप से मत्स्याखेट, परिवहन, क्रय-विक्रय अथवा संबंधित गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। नियमों के उल्लंघन पर एक वर्ष तक का कारावास अथवा 5,000 रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों दंड का प्रावधान है। मत्स्य पालन विभाग ने जिले के समस्त मत्स्य सहकारी समितियों, मत्स्य पालकों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे बंद ऋतु के दौरान किसी भी प्रकार के मत्स्याखेट अथवा उससे संबंधित गतिविधियों में भाग न लें तथा न ही ऐसे कार्यों में किसी प्रकार का सहयोग करें।

आर्याव्रत पत्रकार संघ ने भरी ऐतिहासिक उड़ान, गांव में जुटे दो राज्यों के सैकड़ो पत्रकार, परवलिया से उठी पत्रकार एकता की नई आवाज

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आमतौर पर बड़े सम्मेलन शहरों में आयोजित होते हैं, लेकिन झाबुआ जिले के छोटे से गांव परवलिया में रविवार को पत्रकार एकता और संगठन शक्ति का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी गूंज अब प्रदेश ही नहीं, देशभर में सुनाई देगी। आर्याव्रत पत्रकार संघ द्वारा आयोजित 'उड़ान' पत्रकार मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में मध्यप्रदेश और राजस्थान के विभिन्न जिलों से सैकड़ो पत्रकारों ने भाग लेकर एकजुटता, सम्मान और संगठन के नए संकल्प को मजबूती प्रदान की।

आयोजन का शुभारंभ मां शारदा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अतिथियों एवं पत्रकारों का तिलक लगा कर आत्मीय स्वागत किया गया। आयोजन में राष्ट्रीय संरक्षक दिलीपसिंह चौहान, राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सलीम शेरानी, राष्ट्रीय सचिव कमलसिंह सोलंकी, राष्ट्रीय महासचिव राकेश सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष विजय नीमा, प्रदेश प्रवक्ता महेश पाटीदार सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अग्निहोत्री ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन केवल नाम और सदस्य संख्या से नहीं, बल्कि अपने कार्यों और सक्रियता से पहचाने जाते हैं। आर्याव्रत पत्रकार संघ देशभर के पत्रकारों के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है, जिसमें पत्रकारों का प्रमाणित डाटा उपलब्ध रहेगा और जरूरत के समय उन्हें संगठनात्मक सहायता मिल सकेगी।

कुछ संगठन लाखों सदस्यों का दावा करते हैं, लेकिन धरातल पर शून्य है। आर्याव्रत पत्रकार संघ का एक-एक पत्रकार हजार पत्रकारों के बराबर है। हमारी ताकत संख्या नहीं, बल्कि संगठन, समर्पण और संघर्ष की भावना है। पत्रकारों के सम्मान, सुरक्षा, मूलभूत सुविधाओं और आकस्मिक सहायता के लिए संगठन हमेशा अग्रणी भूमिका निभाएगा।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सलीम शेरानी ने कहा कि संघ के पहले बड़े सम्मेलन का गांव से प्रारंभ होना और उसमें इतनी बड़ी संख्या में पत्रकारों की भागीदारी संगठन के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन साबित करता है कि पत्रकारों की एकता किसी बड़े शहर की मोहताज नहीं है। साथ ही कमल सिंह सोलंकी, दिलीप सिंह चौहान, राकेश सिंह चौहान ने भी संबोधित किया।

समारोह में ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों को नई पहचान दी गई। कक्षा 10वीं की सुमन प्रभु भूरिया, कक्षा 12वीं के प्रदीप प्रेमसिंह निनामा, उभरती प्रतिभा रितिका पाटीदार, अधिवक्ता मयूरी राजू धानक, कवि आशीष नागर तथा सोशल मीडिया क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले राकेश डाबी एवं प्रफुल्ल धामनिया सहित कई प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों का भी सम्मान कर उन्हें स्मृति चिन्ह स्वरूप बैग भेंट किए गए।

आयोजन को सफल बनाने में जिला उपाध्यक्ष विवेक व्यास, तहसील अध्यक्ष धीरज वाघेला, इमरान खान, संदीप खत्री, कुलदीप वर्मा, नीलिमा डाबी, सोहनसिंह परमार, हितेश पंचाल, कौस्तुभ व्यास, माणकलाल जैन, बंटी भारती, पीयूष राठौड़, जीवन राठौड़, चिंटू देवाणा, अर्जुनसिंह राठौड़ एवं उमेश पाटीदार सहित पूरी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का संचालन प्रदेश प्रवक्ता महेश पाटीदार एवं पवन नाहर ने किया, आभार तहसील अध्यक्ष धीरज वाघेला ने व्यक्त किया।

परवलिया की धरती से शुरू हुई यह उड़ान, केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि पत्रकारों की एकता, सम्मान और अधिकारों के लिए शुरू हुए नए अभियान का प्रतीक बन गई है। आयोजन ने यह संदेश दिया कि जब पत्रकार संगठित होते हैं तो वे केवल खबरें नहीं लिखते, बल्कि समाज और अपने अधिकारों के लिए भी सशक्त आवाज बनते हैं।

नगर परिषद बदनावर द्वारा तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर का शुभारंभ

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को लाभ प्रदान करने हेतु आयोजित त्तजनकल्याणद्धशिविर का शुभारंभ सोमवार को नगर परिषद बदनावर परिसर में किया गया। यह शिविर 15 जून से 18 जून 2026 तक आयोजित किया जा रहा है।

शिविर का शुभारंभ मध्यप्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री माननीय श्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मीना शेखर यादव ने की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मीना शेखर यादव ने स्वागत भाषण देते हुए नगर परिषद द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की तथा आमजन से अधिकाधिक संख्या में शिविर का लाभ लेने का आग्रह किया।

अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि माननीय श्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के संकल्प को प्रभावी रूप से साकार किया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान किया। साथ ही समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के संबंध में सुझाव देने हेतु नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं एवं जनप्रतिनिधियों से निर्धारित पोर्टल के माध्यम से अपने सुझाव प्रस्तुत करने की अपील की।

कार्यक्रम संयोजक श्री शिवरामसिंह रघुवंशी ने अपने संबोधन में कहा कि बीते 12 वर्षों में देश ने विकास, आत्मनिर्भरता, आधारभूत संरचना, डिजिटल क्रांति एवं जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की हैं। उन्होंने कहा कि शासन की जनहितकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

शिविर में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के आवेदन प्राप्त किए गए। प्रथम दिवस पर विभिन्न योजनाओं के कुल 110 आवेदन प्राप्त हुए।

इस अवसर पर नगर परिषद उपाध्यक्ष श्री राजेन्द्रसिंह पंवार, परिषद सदस्य श्रीमती भारती राठौर, श्रीमती अनिता चौहान, श्री जगदीश पाटीदार, एल्डरमेन श्री कपिल नाहर, श्री मितेश शर्मा, श्री कन्हैयालाल गुर्जर, श्री भूपेन्द्रसिंह राठौर, पार्षद प्रतिनिधि श्री दीपक जाधव, पार्षद श्री संतोष राव, श्री चेतन नागल, श्री प्रेमचंद परमार, श्री मनीष गुर्जर, श्री सुनील मोदी, श्री प्रवीण चावला, श्री अक्षय शर्मा, श्री अमित गांधी, श्री दिलीपसिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं हितग्राही उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री लालसिंह राठौर सहित नगर परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारीगण श्री अशोक कुमार शर्मा, श्री जगदीशचंद्र महावी, श्री नितिन शर्मा, श्री गजेन्द्र शर्मा, श्री धर्मेन्द्र मकवाना, श्री भारत उटवाल, श्री कमलेश पाटीदार, श्री अमरसिंह रील आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती अनिता चौहान डॉ संतोष चौहान ने माना।

काकनवानी और सेमलिया जन कल्याण शिविरों में पहुंचे कलेक्टर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने जनपद पंचायत थांदला अंतर्गत क्लस्टर काकनवानी एवं सेमलिया में आयोजित जन कल्याण शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा विभागीय अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

क्लस्टर काकनवानी में कलेक्टर ने ग्रामीणों को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के संबंध में शासन द्वारा आमजन से सुझाव प्राप्त किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नागरिक अपने विचार एवं सुझाव मोबाइल के माध्यम से भी दर्ज करा सकते हैं। कलेक्टर ने संबंधित सचिवों एवं पटवारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने ग्राम पंचायत क्षेत्रों मं अधिक से अधिक लोगों तक इसकी जानकारी पहुंचाकर सुझाव प्राप्त करें, ताकि जनभावनाओं के अनुरूप प्रभावी नीति निर्माण किया जा सके। कलेक्टर ने कहा कि जन कल्याण शिविर तीन दिवस तक आयोजित किए जा रहे हैं, इसलिए कोटवारों के माध्यम से व्यापक सूचना देकर अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों से संबंधित सभी आवेदन, विशेषकर खसरा-खतौनी, राजस्व अभिलेख एवं अन्य विभागीय आवेदनों का विधिवत पंजीयन किया जाए तथा उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों का समयसीमा में निराकरण करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने किसानों को फार्मर आईडी बनवाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि उर्वरक वितरण की व्यवस्था ई-विकास प्रणाली के तहत ई-टोकन के माध्यम से संचालित की जा रही है। किसानों को ई-टोकन जारी होने के बाद उनकी आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक उपलब्ध कराया जाएगा।

वन अमले पर हमले के बाद कार्रवाई, फरार ट्रैक्टर इंजन बरामद

पिड़ावा रोड से जब्त कर रेंज परिसर लाया गया वाहन

सुसनेर/दैनिक मालवा हेराल्ड। वन विभाग के अमले पर हुए हमले और शासकीय कार्रवाई में बाधा पहुंचाने के चर्चित मामले में वन विभाग को सफलता हाथ लगी है। घटना के बाद वन विभाग के कब्जे से बाहर चला गया ट्रैक्टर इंजन सोमवार को विभागीय टीम ने बरामद कर लिया। विशेष अभियान चलाकर इंजन को पिड़ावा रोड क्षेत्र से जब्त किया गया और बाद में सुसनेर रेंज कार्यालय परिसर में लाकर सुरक्षित खड़ा किया गया। गौरतलब है कि 11 जून को वन विभाग की टीम अवैध लकड़ी परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान वन अमले और आरोपियों के बीच विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। वन विभाग के अनुसार कार्रवाई के दौरान शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की गई और जब्त वाहन को छुड़ाने का प्रयास किया गया। घटना के बाद ट्रैक्टर का इंजन वन विभाग के कब्जे से बाहर चला गया था जिसकी तलाश लगातार की जा रही थी। वन मंडलाधिकारी शाजापुर श्रीमती हेमलता शाह के निर्देशानुसार, उपवन मंडलाधिकारी आगर फतेहसिंह नीनामा तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी सुसनेर चंदरसिंह पंवार के मार्गदर्शन में इंजन की तलाश के लिए विशेष अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व डिप्टी रेंजर पीरूलाल खाटकी ने किया। कार्रवाई में के.एल. परमार (बीट प्रभारी सोयत), कमलसिंह मालवीय, सुरेश प्रजापति, संजय गोर, जितेंद्र गोर एवं देवराज सिंह सिसौदिया सहित वन विभाग के कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम ने लगातार क्षेत्र में निगरानी और तलाश अभियान जारी रखा, जिसके परिणामस्वरूप सोमवार को पिड़ावा रोड क्षेत्र से ट्रैक्टर इंजन बरामद कर लिया गया।

घटना के बाद बना था चर्चा का विषय- वन अमले पर हमले और जब्त वाहन के इंजन को लेकर हुई घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई थी। घटना के बाद वन विभाग द्वारा संबंधित मामले में पुलिस को आवेदन भी दिया गया था। वहीं वन विभाग के सामने जब्त वाहन को पुनः अपने कब्जे में लेना बड़ी चुनौती बन गया था। कई दिनों की तलाश के बाद इंजन की बरामदगी को वन विभाग की सफलता माना जा रहा है।

कलेक्टर ने कल्याणपुरा एवं खेड़ा के जन कल्याण शिविरों का किया निरीक्षण, समस्याओं के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

झाबुआ/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने सोमवार को जनपद पंचायत झाबुआ के क्लस्टर कल्याणपुरा एवं जनपद पंचायत रामा के क्लस्टर खेड़ा में आयोजित जन कल्याण शिविरों का निरीक्षण कर आमजन की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

क्लस्टर कल्याणपुरा के निरीक्षण के दौरान ग्रामवासी मुन्ना निनामा ने कलेक्टर को बताया कि उनके द्वारा खेत तालाब का निर्माण कराया गया था, किन्तु अब तक भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने संबंधित सचिव के विरुद्ध जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। शिविर में उपस्थित ग्रामीणों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए कलेक्टर डॉ. भरसट ने कहा कि सभी अभिभावक अपने बच्चों का आधार कार्ड एवं अपार आईडी (क्क्र ढ्ढष्ठ) अवश्य बनवाएं। उन्होंने कहा कि यदि किसी विद्यालय में शिक्षक नियमित रूप से उपस्थित नहीं होते हैं तो उसकी फोटो सहित जानकारी प्रशासन को उपलब्ध कराएं, संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने कहा कि बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, महिलाओं एवं किसानों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन गंभीरता से कार्य कर रहा है। विद्यालयों में शिक्षकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी तथा विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। उन्होंने बच्चों की नियमित शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा ही उनके उज्ज्वल भविष्य का आधार है।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने किसानों से उर्वरक उपलब्धता के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि जिले में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है तथा आवश्यकता अनुसार सभी किसानों को खाद उपलब्ध कराया जाएगा।

इसके पश्चात कलेक्टर ने जनपद पंचायत रामा के क्लस्टर खेड़ा में आयोजित जन कल्याण शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में आए ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की। कलेक्टर ने विशेष रूप से राजस्व विभाग से संबंधित खसरा नकल के आवेदनों की जानकारी ली तथा आवेदनों की संख्या कम पाए जाने पर पात्र हितग्राहियों के अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त कर उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शिविर के दौरान कलेक्टर ने ग्राम में सहकारी समिति (सोसायटी) की स्थिति के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम खेड़ा की सोसायटी नेटवर्क संबंधी समस्याओं के कारण कल्याणपुरा स्थानांतरित कर दी गई है, जिससे ग्रामीणों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

इस दौरान जनप्रतिनिधि, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षय सिंह मरकाम, उप संचालक कृषि विभाग श्री एन एस रावत एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

रामघाट से सोम तीर्थ तक हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

सोमवती अमावस्या पर दिनभर चला पुण्य स्नान और पीपल पूजन का सिलसिला- निर्माण कार्यों के बीच श्रद्धालुओं को आवागमन में हुई परेशानी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अधिकमास की अंतिम सोमवती अमावस्या पर सोमवार को धर्मनगरी उज्जैन में आस्था का विशाल जनसैलाब उमड़ा। तड़के से ही रामघाट, दत्त अखाड़ा, नरसिंह घाट सहित शिप्रा नदी के विभिन्न घाटों और रणजीत हनुमान मंदिर के सामने स्थित सोम तीर्थ कुंड पर श्रद्धालुओं ने पुण्य स्नान किया। दिनभर घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ बनी रही और शिप्रा स्नान के साथ पूजा-अर्चना एवं दान-पुण्य का क्रम चलता रहा।

सोमवती अमावस्या और अधिकमास के समापन के विशेष संयोग के कारण सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे। प्रशासन द्वारा सोम तीर्थ कुंड को स्नान योग्य बनाने के लिए पूर्व से विशेष तैयारियां की गई थीं। कुंड में जल भराव की व्यवस्था के साथ फव्वारे लगाए गए तथा आसपास साफ-सफाई, छाया और सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। हालांकि घाटों तक पहुंचने के दौरान कई श्रद्धालुओं को निर्माण कार्यों के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। रामानुजकोट से रामघाट जाने वाला मार्ग चौड़ीकरण कार्य के चलते बंद होने से लोगों को वैकल्पिक मार्गों से होकर गुजरना पड़ा। वहीं छोटी पुलिया क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्य के कारण सोम तीर्थ कुंड पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को बड़े पुल का उपयोग करना पड़ा। कई स्थानों पर लोगों को मलबे और निर्माण सामग्री के बीच से होकर गुजरना पड़ा।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए घाटों पर पुलिस बल एवं सुरक्षा जवानों की तैनाती की गई थी। सोम तीर्थ कुंड क्षेत्र में बैरिकेडिंग कर आवागमन को व्यवस्थित किया गया, जिससे दिनभर व्यवस्था सुचारु बनी रही।

पीपल पूजन और परिक्रमा का रहा विशेष महत्व- सोमवती अमावस्या के अवसर पर शिप्रा स्नान के बाद बड़ी संख्या में महिलाओं ने नदी तट और छोटे पुल क्षेत्र में स्थित पीपल वृक्षों का विधि-विधान से पूजन किया। महिलाओं ने पीपल की परिक्रमा कर परिवार की सुख-समृद्धि और मंगल कामना की। दिनभर घाटों और मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठानों का वातावरण बना रहा तथा श्रद्धालुओं ने पुण्य लाभ अर्जित किया।

सोमवती अमावस्या पर महाकाल में उमड़ी भीड़

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुरुषोत्तम मास के अंतिम दिन रविवार को महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिर प्रशासन के अनुसार दिनभर में कुल 2 लाख 47 हजार 894 श्रद्धालुओं ने भगवान महाकालेश्वर के दर्शन किये। सोमवार भी सुबह से मंदिर के पट बंद होने तक भक्तों की भीड़ उमड़ती रही। पुरुषोत्तम मास के समापन अवसर पर रविवार को देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे। सुबह भस्म आरती से लेकर देर रात तक मंदिर परिसर और दर्शन मार्गों पर भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं में बाबा महाकाल के दर्शन को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। मंदिर प्रबंध समिति ने बढ़ी हुई श्रद्धालु संख्या को देखते हुए दर्शन व्यवस्था, सुरक्षा, पेयजल, चिकित्सा और यातायात सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित कीं। इसके कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने के बावजूद दर्शन व्यवस्था व्यवस्थित बनी रही।उल्लेखनीय है कि पुरुषोत्तम मास के दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाकाल दर्शन के लिए पहुंचे। अंतिम दिन रिकॉर्ड स्तर पर भक्तों की उपस्थिति ने एक बार फिर बाबा महाकाल के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था को दर्शाया। श्रद्धालुओं ने दर्शन के साथ मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। सोमवती अमावस्या पर भी महाकालेश्वर मंदिर में सुबह से देर शाम तक भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। शिप्रा स्नान करने के बाद बड़ी संख्या में लोग सुबह से महाकाल दर्शन करने पहुंच रहे थे।

मायके आई महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर की आत्महत्या

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मायके आई एक बच्चे की मां ने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। महिला ने 5 साल पहले प्रेम विवाह किया था। चिमनगंज थाना क्षेत्र की नागेश्वरधाम कॉलोनी से शिवानी पति निहाल सूर्यवंशी 26 साल को परिजन चरक अस्पताल लेकर पहुंचे थे। शिवानी ने जहरीला पदार्थ खाया था उसकी हालत गंभीर होने पर शाम को निजी अस्पताल ले जाया गया जहां रात में उसकी मौत हो गई। चिमनगंज पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर सोमवार सुबह पोस्टमार्टम कराया। इस दौरान सामने आया कि शिवानी ने 2021 में प्रेम विवाह किया था और सेठी नगर में उसका ससुराल है। शिवानी एक बच्चे की मां थी। पति काम धंधा नहीं करता था और आए दिन मारपीट करता रहता था। शिवानी के फूफा सत्य प्रकाश अहिरवार ने बताया कि पति की प्रताड़ना से तंग आकर वह 11 जून को मायके आ गई थी। पुलिस के अनुसार परिजनों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू की जाएगी फिलहाल पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया है।

चेकिंग में मन्दसौर के 5 युवकों से बरामद हुई ड्रग्स

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने मंदसौर के पांच युवकों को हिरासत में लिया जिनके पास से ढाई सौ ग्राम से अधिक ड्रग्स बरामद की गई। सभी को सोमवार दोपहर न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। जीवाजीगंज थाना प्रभारी प्रतीक शर्मा ने बताया कि रात्रि में वाहन चेकिंग के दौरान वाल्मिकी धाम चौराहा पर एक फोर्ड कंपनी की एंडेवर वाहन क्रमांक एमपी 09 सीटी व4511 को रोकने का इशारा करने पर चालक द्वारा वाहन को तेज गति से भगाने का प्रयास किया गया, जिसे पुलिस बल की तत्परता से स्टॉपर लगाकर रोका गया। वाहन में 5 व्यक्ति सवार थे। जिनसे पूछताछ करने पर उनके नाम विकास पिता पन्नालाल नायक 22 वर्ष, निवासी गोपालपुरा, थाना सीतामऊ, मंदसौर (चालक), याकुब पिता हाजी गुलबाज खान 52 वर्ष, निवासी गोपालपुरा, मंदसौर, मान सिंह पिता जुझार सिंह गुर्जर 50 वर्ष, निवासी नयाखेड़ा, थाना सीतामऊ, मंदसौर, मोहम्मद जैद उर्फ बाबा पिता याकुब खान19 वर्ष, निवासी गोपालपुरा, मंदसौर और रईस खान पिता अमीर खान 48 वर्ष, निवासी बेलारी, थाना सीतामऊ, मंदसौर होना सामने आए। वाहन की तलाशी के दौरान चालक सीट के नीचे एक पारदर्शी पॉलिथीन में रखी एमडी ड्रग्स होना पाई गई, बरामद मादक पदार्थ का 252 ग्राम पाया गया। जिसकी कीमत 3.50 लाख रुपए है। वाहन 10 लाख कीमत है। पांचों के खिलाफ मादक पदार्थ तस्करी का प्रकरण दर्ज कर सोमवार दोपहर न्यायालय में पेश किया गया जहां से 2 दिन की पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया गया है। आरोपियों को गिरफ्तार करने में थाना एसआई दौलत सिंह रावत, बलवान राणा, सर्वेश सिंह, विनोद ठाकुर, सतीश वासनीक एवं आरक्षक दीपांशु शामिल थे।

उज्जैन-इंदौर के बीच दौड़ेंगी 6 इलेक्ट्रिक बसें, जुलाई से शुरू होगा सफर

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का पहला चरण शुरू- सीसीटीवी और लाइव ट्रैकिंग से होगी निगरानी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन-इंदौर के यात्रियों को जल्द ही आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल परिवहन सुविधा मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत जुलाई से दोनों शहरों के बीच 6 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू किया जाएगा। यह सेवा प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन को नई दिशा देने की तैयारी का हिस्सा है।

इस योजना के पहले चरण में प्रदेश के छह प्रमुख रूटों पर कुल 26 इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएंगी, जिनमें उज्जैन-इंदौर मार्ग भी शामिल है। बसों के संचालन के लिए एआईसीटीएसएल ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। चयनित ऑपरेटरों को नई इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध करानी होंगी, जिनमें यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए सीसीटीवी कैमरे तथा लाइव ट्रैकिंग सिस्टम लगाए जाएंगे। जानकारी के अनुसार 12 मीटर लंबी इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए 22 जून तक टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। तकनीकी बिड 23 जून को खोली जाएगी। पात्र ऑपरेटरों के लिए कम से कम तीन वर्ष का बस संचालन अनुभव और 10 करोड़ रुपए वार्षिक टर्नओवर की शर्त रखी गई है। सफल ऑपरेटरों के साथ 10 वर्ष का अनुबंध किया जाएगा, जिसे आवश्यकता अनुसार दो वर्ष तक बढ़ाया जा सकेगा। बस संचालन के लिए ऑपरेटरों को डिपो, मार्ग और अंतिम स्टॉप पर चार्जिंग स्टेशन विकसित करने होंगे। नई इलेक्ट्रिक बसों की खरीद पर राज्य सरकार 40 प्रतिशत तक अनुदान देगी। यह अनुदान बस की वास्तविक कीमत या 1.50 करोड़ रुपए, जो भी कम हो, उसके आधार पर दिया जाएगा।

परिवहन व्यवस्था की मॉनिटरिंग, रूट प्लानिंग और सेवा मानकों की जिम्मेदारी एआईसीटीएसएल के पास रहेगी। वहीं ऑपरेटरों को सुरक्षित, समयबद्ध और यात्री-केंद्रित सेवाएं सुनिश्चित करनी होंगी। नई बस सेवा शुरू होने से उज्जैन और इंदौर के बीच यात्रा अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और पर्यावरण हितैषी बनने की उम्मीद है।

सुरक्षा मानकों के क्रियान्वयन के लिए आईआईटी मुंबई के विशेषज्ञ 18 जून को देंगे प्रशिक्षण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से सिंहस्थ मेला अधिकारी एवं जिला कलेक्टर द्वारा किए जा रहे नवाचारों की श्रृंखला में एक और महत्वपूर्ण पहल प्रारंभ की जा रही है। सिंहस्थ से संबंधित विभिन्न निर्माण एवं अधोसंरचना कार्यों में सुरक्षा मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई के विशेषज्ञ प्रोफेसरों द्वारा निर्माण सुरक्षा क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 18 जून को किया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य सिंहस्थ 2028 से संबंधित निर्माण कार्यों में संलग्न अधिकारियों एवं अभियंताओं को आधुनिक सुरक्षा मानकों, जोखिम प्रबंधन तथा निर्माण स्थलों पर अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम सुरक्षा प्रक्रियाओं के संबंध में प्रशिक्षित करना है।

श्रद्धालुओं की भीड़ में दबाकर घायल हुई बुजुर्ग महिला

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवती अमावस्या होने पर देशभर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे हैं। शिप्रा स्नान नदी के साथ महाकाल मंदिर में काफी भीड़ दिखाई दे रही है। इसी बीच खरगोन की वृद्धा महिला श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन की कतार में भीड़ के बीच दबकर घायल हो गई वृद्धा के एक हाथ में फैक्चर हुआ है।

बताया जा रहा है कि खरगोन के गोल वाडिया से कमली बाई पति मेहताब 60 साल परिवार के साथ सोमवती अमावस्या का नहान करने के लिए उज्जैन आई थी परिवार के 15 सदस्य ने तड़के शिप्रा नदी पर आस्था का नहान किया जहां से वह महाकाल दर्शन करने के लिए मंदिर पहुंचे थे। दर्शन कतार में काफी अधिक भीड़ थी जिसके माध्यम से पूरा परिवार बाबा के दर्शन करने के लिए आगे बढ़ रहा था। तभी अचानक भीड़ में कमली बाई दबाकर गिर गई और हादसे में कमली बाई घायल हो गई। जिसे लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया भीड़ में परिवार भी बढ़ गया था। कमली बाई को अस्पताल लाने पर सामने आया कि उसका एक हाथ टूटा है जिसमें फैक्चर है डॉक्टरों ने उपचार के लिए भर्ती किया है। कमली बाई के बिछड़ने पर परिवार ने भीड़ में उनकी तलाश शुरू की इस दौरान करीब 1 घंटे बाद पता चला कि कमली बाई भीड़ में दबकर घायल हुई है। परिजन अस्पताल पहुंचे हैं।

चाकू की नोक पर फाइनेंस कमी से लूट 14 हजार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। हनुमान मंदिर से दर्शन कर लौट रहे फाइनेंस कर्मी को रास्ते में बाइक के बाद तीन बदमाशों ने रोका और चाकू की नोक पर रूपों के साथ मोबाइल छीनकर भाग निकले। वारदात के बाद फाइनेंस कर्मी ने मामले की लिखित शिकायत पुलिस से की है। बदमाशों के फुटेज भी सामने आए हैं।

ग्राम चंदेसरा में रहने वाला सौदान प्रजापत मक्सी रोड स्थित बजाज शोरूम पर फाइनेंस का काम करता है। वह ढाबा रोड स्थित गेबी हनुमान मंदिर दर्शन करने गया था, जहां से लौटते समय दोपहर को उसे दारु गोदाम के समीप बाइक से आए तीन बदमाशों ने रोका और चाकू अड़ाकर उसकी जेब में रखें 14 हजार रुपए और मोबाइल छीनकर भाग निकले। वारदात के बाद सौदान ने वारदात की शिकायत चिमनगंज थाने पहुंचकर की पुलिस ने मामला दर्ज करने के बजाय लिखित शिकायत पर जांच का आश्वासन दे दिया। सौदान ने बताया कि उसके साथ वारदात 13 जून को हुई थी जिसके फुटेज भी सामने आए हैं तीनों बदमाश बाइक से भागते दिखाई दिए हैं। फिलहाल पुलिस मामले में जांच की बात कह रही है। वही फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान के प्रयास किया जा रहे हैं।

हजारों यात्री रोज पहुंच रहे उज्जैन स्टेशन, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था बेपटरी

मेटल डिटेक्टर और बैग स्कैनर बने शोपीस- आरपीएफ-जीआरपी की निगरानी पर उठे सवाल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल की नगरी उज्जैन में रोजाना हजारों यात्री रेलवे स्टेशन से आवागमन कर रहे हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा भगवान भरोसे नजर आ रही है। स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर लगाए गए मेटल डिटेक्टर और बैग स्कैनर मशीनों का उपयोग नहीं होने से सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। यात्रियों की जांच के लिए लगाए गए उपकरण केवल दिखावे तक सीमित होकर रह गए हैं।

जानकारी के अनुसार स्टेशन परिसर में बैग स्कैनर मशीन और मेटल डिटेक्टर गेट तो मौजूद हैं, लेकिन अधिकांश समय इनका उपयोग नहीं किया जाता। यात्री बिना किसी जांच के सीधे प्लेटफॉर्म तक पहुंच रहे हैं। संदिग्ध व्यक्ति या सामान की जांच के लिए कोई प्रभावी व्यवस्था दिखाई नहीं दे रही है। ऐसे में सुरक्षा में बड़ी चूक की आशंका बनी हुई है।

स्टेशन पर तैनात आरपीएफ और जीआरपी जवानों की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। यात्रियों का कहना है कि कई बार पुलिसकर्मी जांच और निगरानी के बजाय मोबाइल फोन में व्यस्त नजर आते हैं। वहीं कई स्थानों पर सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी भी नहीं दिखती। इससे स्टेशन पर आने-जाने वाले लोगों की गतिविधियों पर पर्याप्त नजर नहीं रखी जा रही है।

उल्लेखनीय है कि महाकाल लोक बनने के बाद उज्जैन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हुई है। रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं। इसके बावजूद सुरक्षा उपकरणों का उपयोग नहीं होना और नियमित जांच व्यवस्था का अभाव चिंता का विषय बन गया है। सूत्रों के अनुसार प्लेटफॉर्म नंबर 7 और 8 सहित कई हिस्सों में दिन और रात के समय नियमित गश्त भी पर्याप्त नहीं हो रही है। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर यात्रियों में चिंता बढ़ रही है। नागरिकों ने रेलवे प्रशासन से स्टेशन पर सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने, बैग स्कैनर और मेटल डिटेक्टर को नियमित रूप से संचालित करने तथा पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

श्यामू हाथी को एक माह तक नहीं घुमाने का नोटिस

40 साल से भगवान महाकाल की राजसी सवारी की शान रहे हैं रामू-श्यामू- महावत ने बताया साज़िश

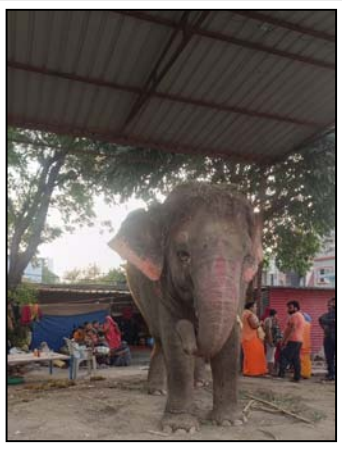

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान महाकाल की राजसी सवारी में वर्षों से आकर्षण का केंद्र रहे गजराज श्यामू को एक माह तक घुमाने-फिराने पर रोक लगाने के नोटिस ने नई चर्चा छेड़ दी है। वन विभाग को चिकित्सकीय जांच रिपोर्ट मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई है। ऐसे में आगामी सावन माह की राजसी सवारी में श्यामू की भागीदारी को लेकर संशय की स्थिति बन गई है।

उल्लेखनीय है कि महाकाल की राजसी सवारी में हाथियों की परंपरा चार दशक से अधिक पुरानी है। वर्ष 1980 से गजराज रामू ने महाकाल की सेवा संभाली थी। लगभग 35 वर्षों तक सवारी की शान बने रहने के बाद वर्ष 2016 में रामू के निधन के बाद श्यामू ने यह जिम्मेदारी संभाली। वर्तमान में करीब 29 वर्षीय श्यामू महाकाल सवारी का प्रमुख आकर्षण है। हाल ही में उज्जैन पहुंची विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने श्यामू का स्वास्थ्य परीक्षण किया। रिपोर्ट के आधार पर उसे एक माह तक बाहर ले जाने और घूमाने पर प्रतिबंध लगाने का नोटिस जारी किया गया है। यह निर्णय ऐसे समय आया है, जब 3 अगस्त से शुरू होने वाली महाकाल की राजसी सवारी की तैयारियां जोरों पर हैं।

श्यामू के महावत शरमन गिरी ने इस आदेश पर सवाल उठाते हुए कहा कि हाथी को लगातार एक ही स्थान पर खड़ा रखने से उसकी सेहत और बिगड़ सकती है। उन्होंने आशंका जताई कि यह श्यामू को सवारी से दूर करने और उसकी जगह दूसरे हाथी को लाने की साजिश हो सकती है। महावत का कहना है कि वर्षों से लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच श्यामू पूरी तरह प्रशिक्षित और सहज रहता आया है। महाकाल मंदिर की राजसी सवारी में हाथी केवल आकर्षण नहीं, बल्कि धार्मिक परंपरा और राजवैभव का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में श्यामू की स्थिति और उस पर लगी पाबंदी ने श्रद्धालुओं के बीच भी चिंता बढ़ा दी है। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि उपचार और जांच के बाद क्या श्यामू सावन की राजसी सवारी में फिर से बाबा महाकाल के साथ नगर भ्रमण कर पाएगा या नहीं।

वीडियो वायरल कर ट्रेन के सामने लगाई छलांग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे कर्मी ने रविवार दोपहर मोबाइल से वीडियो बनाने के बाद वायरल किया और ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। ट्रेन ड्रायवर से सूचना मिलने के बाद रेलवे अधिकारियों ने पुलिस को अवगत कराया। पटरियों से मृतक के टुकड़े एकत्रित करने के बाद पुलिस अस्पताल लेकर आई।

वायरल वीडियो की जांच शुरू की गई है। नरवर थाना क्षेत्र के ग्राम गावड़ी में रहने वाला भगवानदीन पिता कैलाशचंद्र यादव 45 साल रेलवे कर्मचारी था। रविवार दोपहर करछा और माधवपुरा रेलवे स्टेशन के बीच उसने ट्रेन के सामने छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। ट्रेन की चपेट में आने से उसका शव कई टुकड़ों में बंट गया था। नरवर थाना प्रभारी बल्लू मंडलोई घटनास्थल पहुंचे और विवेचना शुरू की। इस दौरान सामने आया कि आत्महत्या से पहले उसने मोबाइल से वीडियो बनाया था और वायरल किया था। थाना प्रभारी के अनुसार मृतक का मोबाइल जप्त किया गया है।

फिलहाल मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया है। मृतक रेलवे में गैंगमेन था। बताया जा रहा है कि आत्महत्या से पहले वायरल वीडियो में उसने कुछ लोगों को लाखों रूपये उधार देने की बात कही और बोला कि उसके रूपये वापस नहीं लौटाये जा रहे है।

जिसके चलते परेशान होकर आत्महत्या कर रहा है। पुलिस के अनुसार वायरल वीडियो की जांच शुरू की गई है।

परिजनों के बयान दर्ज कर उधार रूपयों लेने वालों की जानकारी जुटाई जायेगी। जिनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जायेगी।

रेशम समृद्धि योजना के अंतर्गत ऑनलाइन पंजीयन प्रारंभ

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सहायक संचालक जिला रेशम कार्यालय द्वारा जानकारी दी गई कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा संचालित रेशम समृद्धि योजना के अंतर्गत वर्ष 2026-27 के लिए ऑनलाइन पंजीयन विगत 29 मई से प्रारंभ कर दिया गया है। योजना के तहत इच्छुक कृषक अपनी एक एकड़ निजी भूमि पर शहतूती पौधारोपण कर मलबरी रेशम कृमिपालन अपनाकर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। योजना के अंतर्गत 23 गतिविधियों पर 75 से 90 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है, जिसमें सामान्य वर्ग को 75 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग को 90 प्रतिशत तक आर्थिक सहायता प्राप्त होगी।

रेलवे स्टेशन पर चाकूबाजी एक आरोपी हिरासत में

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मजदूरी करने वाले युवक को रात में रेलवे स्टेशन पर दो बदमाशों ने पुरानी रंजिश के चलते चाकू मार दिए। घायल को रेलवे पुलिस ने उपचार के लिए भर्ती कराया। जीआरपी ने एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

शाजापुर का रहने वाला दीपक पिता इंदर सिंह पिछले 5 सालों से उज्जैन में रहकर मजदूरी कर रहा है वर्तमान में वह मंछामन कॉलोनी में निवास करता है रात में ई रिक्शा से वह रेलवे स्टेशन पहुंचा। माल गोदाम के समीप उसे कबीर उर्फ दीपक और राजेश मिले दोनों ने पुरानी रंजिश को लेकर विवाद शुरू किया और राजेश ने चाकू मार दिए। घायल दीपक ने जान बचाने के लिए रेलवे प्लेटफार्म पर दौड़ लगा दी और आरपीएफ थाने तक पहुंच गया। रेलवे पुलिस कर्मियों ने उसे देखा तो तत्काल अस्पताल पहुंचाया और मामले की सूचना जीआरपी को दी गई। जीआरपी ने घायल के बयान दर्ज किया इस दौरान सामने आया कि 6 जून को दोनों से विवाद हुआ था कबीर द्वारा उसे पर रुपए छीनने का आरोप लगाया गया था। इस विवाद के चलते रात में दोनों ने उसका रास्ता रोक चाकू से हमला किया है। बताया जा रहा है कि कबीर रेलवे स्टेशन के आसपास अवैध शराब बेचने का काम करता है जिसे जीआरपी ने हिरासत में ले लिया है वही राजेश की तलाश की जा रही है।

शा. माधव विज्ञान महाविद्यालय मे विश्व पर्यावरण दिवस सप्ताह का समापन

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय उज्जैन में विगत एक सप्ताह से आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस के विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला का आज समापन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस अवसर पर कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में श्री मोहन बाबू विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश, डॉ सी के शर्मा, गुजरात सेंट्रल यूनिवर्सिटी, डॉ धीरज राठौर एवं सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय की माइक्रोबायोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ अलका व्यास ने संगोष्ठी को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ हरीश व्यास ने की। इस अवसर पर समस्त अतिथियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न आयामों पर चर्चा की गई एवं विभिन्न शोधार्थियों श्रेया देशमुख, वर्षा खटोड, रीमा चौरसिया ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस संबंध में शासकीय महाविद्यालय कायथा से खुशबू मालवीय सहायक प्राध्यापक वनस्पति विज्ञान का भी व्याख्यान प्रभावी रहा।

कार्यक्रम संयोजक डॉ कमलकिशोर कुंभकार एवं डॉ शुचिता चांदोरकर ने बताया कि इस कार्यक्रम के पूर्व सप्ताह भर से महाविद्यालय में पौधारोपण प्रश्न मंच एवं विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की गई जिसमें की सभी छात्र-छात्राओं ने अति उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हमारे अतिथियों ने अत्यंत प्रेरणा दायक लेक्चर में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलवाई।

अंत में प्राचार्य डॉ हरीश व्यास द्वारा सभी अतिथियों एवं प्राध्यापक को तथा विद्यार्थियों को पर्यावरण के संरक्षण के प्रतीक के रूप में जुट की थैलियो का वितरण किया गया जो कि पालीथिन के विकल्प के रूप में प्रस्तुत की गई।